RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः84 , शुक्रवार, 08 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में नेपाली शराब जब्त 03

नेपाल के लायंस डिस्ट्रिक्ट 325 एस की नई कार्यकारिणी गठित, नियुक्ति पत्र वितरित 04

रेट्रो के सेट से जुड़े रोमांचक किस्से सांझा किए पूजा हेगडे ने 07

संक्षिप्त समाचार

दोषियों को फांसी नहीं आजीवन कारावास मिले

- बेटे चंद्रनाथ रथ की हत्या पर छलका मां का दर्द
- भाई ने कहा-उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के बीच बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के करीबी और उनके पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। अब इस मामले में चंद्रनाथ रथ की मां हासिरानी रथ का दर्द छलक पड़ा है। उन्होंने अपने बेटे की हत्या के लिए सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं और दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। चंद्रनाथ के भाई देव कुमार ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उत्तर 24 परगना के चांदीपुर में मीडिया से बात करते हुए हासिरानी रथ ने कहा, मैं चाहती हूं कि दोषियों को सजा मिले। मैं एक मां हूं, इसलिए मैं नहीं चाहती कि उन्हें फांसी हो। लेकिन मैं चाहती हूं कि उन्हें आजीवन कारावास मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के सत्ता में आने के बाद उनके परिवार को निशाना बनाया गया। उनका कहना था कि राज्य में लगातार कानून-व्यवस्था बिगड़ती जा रही है और सत्ताधारी पार्टी के नेताओं द्वारा पहले से भड़काऊ बयान दिए जा रहे थे।

गोलाबारी करने के बाद फरार हुए हमलावर–जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने रथ की कार को रात करीब साढ़े 10 बजे डोलतला और मध्यमग्राम चौमाथा के बीच दोहरिया के पास रोका और वे गोलीबारी करने के बाद फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा, विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। हम कई सुरागों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि हमलावरों ने रथ के वाहन को समन्वित तरीके से रोका और फिर नजदीक से कई गोलियां चलाईं।

ये सब तृणमूल की रची हुई साजिश है– हासिरानी रथ ने कहा, हमारे प्रदेश अध्यक्ष और नेता लगातार राज्य में शांति बनाए रखने की बात कह रहे थे लेकिन दूसरी तरफ कुछ लोग खुलेआम धमकी दे रहे थे कि 4 तारीख के बाद दिल्ली के बाप भी नहीं बचा पाएंगे। अब वही सब हो रहा है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अगर उनके बेटे की मौत किसी हादसे में होती तो शायद इतना दुख नहीं होता। लेकिन जिस तरह से 'बदमाशों ने तड़पा-तड़पाकर' उसकी हत्या की गई उसे वह कभी नहीं भूल सकतीं।

विजय थलपति की शपथ ग्रहण पर सस्पेंस खत्म!

- बहुमत साबित करने के बाद ही सीएम बन सकते हैं टीवीके चीफ

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में कौन बनेगा मुख्यमंत्री यह सस्पेंस अब खत्म हो गया है। गुरुवार सुबह विजय एक बार फिर राज्यपाल से मिले। लेकिन अब खबर आई है कि विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की शपथ तभी ले सकते हैं जब उनके पास बहुमत का आंकड़ा हो। सियासी गलियारों में हलचल तेज है। और अब समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि विजय राज्य में तभी शपथ ले पाएंगे जब उनके पास बहुमत साबित करने के लिए पर्याप्त विधायक हों। तमिलनाडु के राज्यपाल प्रदेश में एक स्थाई सरकार चाहते हैं। उनका मानना है कि जैसे ही बहुमत साबित होगा, विजय शपथ ले सकते हैं। लोक भवन के बाहर टीवीके प्रमुख विजय को तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनाने और उनके तुरंत शपथ ग्रहण की मांग करते हुए टीवीके समर्थकों ने प्रदर्शन किया। उनके के दो समर्थक लोक भवन के बाहर पोस्टर पकड़े हुए दिखाए दिए। लेकिन राज्यपाल ने कहा कि बिना बहुमत के वह उन्हें नहीं बुला सकते हैं।

विजय को सरकार बनाने दें: स्टालिन

डीएमके प्रमुख स्टालिन ने कहा कि सी जोसेफ विजय की सरकार बनाने दें। डीएमके अगले छह महीने तक बिना किसी हस्तक्षेप के नई सरकार को देखेगी और उसके बाद कोई फैसला लेगी। स्टालिन ने संकेत दिया कि फिलहाल डीएमके राज्य में ना तो संवैधानिक संकट चाहती है और ना ही जल्द दोबारा चुनाव। उन्होंने कहा कि नई सरकार को योजनाओं को जारी रखना चाहिए।

- 10000 किमी की मारक क्षमता, पूरी दुनिया की नींद उड़ी

महाविनाशक मिसाइल टेस्ट करने जा रहा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी स्वदेशी रूप से विकसित बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि के लेटेस्ट और सबसे घातक वर्जन के टेस्ट की तैयारी कर रहा है। संस्कृत में अग्नि का अर्थ आग होता है और यह मिसाइल अपने नाम के अनुरूप ही रक्षा क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने वाली है। यह मिसाइल एक साथ कई परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम है, जो भारत की रणनीतिक ताकत को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। वर्तमान में दुनिया के केवल पांच देशों के पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की ताकत है। ये देश हैं- अमेरिका, रूस,चीन, फ्रांस और ब्रिटेन। अब इस सूची में भारत भी अपनी अग्नि-6 के साथ अपनी स्थिति बेहद मजबूत करने जा रहा है। अग्नि 6 भारत की नेक्स्ट जनरेशन मिसाइल है, जिसे खास तौर पर भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इस मिसाइल की संभावित मारक क्षमता 10,000 किलोमीटर से भी ज्यादा होगी। इतनी लंबी दूरी की रेंज के साथ, भारत की रणनीतिक पहुंच अब केवल क्षेत्रीय नहीं रह जाएगी, बल्कि यह वैश्विक स्तर की हो जाएगी।

दिग्गजों के बराबर भारत, एक नए युग की शुरुआत

यह एडवांस तकनीक अब तक मुख्य रूप से अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के पास ही मौजूद थी लेकिन अग्नि-6 के साथ, भारत अब तकनीकी रूप से ठीक उसी स्तर पर खड़ा हो रहा है। अग्नि-6 का यह विकास केवल एक रक्षा उपकरण का निर्माण नहीं है, बल्कि यह भारत को एक नए दौर में ले जा रहा है। गाइडेड मिसाइल तकनीक और 10,000 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता यह साबित करती है कि भारत अब केवल अपनी रक्षा नहीं कर रहा है, बल्कि ग्लोबल पावर के पैमाने पर एक नया मानदंड स्थापित कर रहा है।

सम्राट कैबिनेट में नीतिश के बेटे समेत अब 32 मंत्री

- पीएम ने पूर्व सीएम को बुलाया, हाथ पकड़कर पास लाए

पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश ने प्रधानमंत्री के कंधे पर हाथ रखा

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी के सीएम बनने के 22 दिन बाद गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतिश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए। नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, एलजेपी (आर)-2, हम और लोसपा से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली है। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतिश कुमार को अपने पास बुलाया।

बीजेपी ने 3 चेहरों को ड्रॉप किया

सम्राट कैबिनेट में बीजेपी कोटे से 15 मंत्रियों ने शपथ ली है। इनमें 5 नए चेहरे हैं, वहीं तीन पुराने लोगों को इस बार मौका नहीं मिला। इनमें बीजेपी के सीनियर लीडर मंगल पांडेय, बेगूसराय के बछवाड़ा से विधायक सुरेंद्र मेहता और प. चंपारण से नारायण प्रसाद का नाम शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर का एक साल, सेना का बड़ा संदेश

- इंडियन आर्मी ने कहा-हर तरह के आतंकवाद से लड़ते रहेंगे
- एयर मार्शल बोले-सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा हमला दोबारा न हो

जयपुर (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। गुरुवार को भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुख जयपुर के साउथ वेस्टर्न कमांड में जुटे। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सैन्य अभियान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

इस अभियान को पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पिछले कई दशकों में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया। पहलगाम हमले में मारे गए हमारे भाई-बहनों को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसा हमला दोबारा न हो। हमारा ऑब्जेक्टिव क्लियर था और ऑपरेशन के लिए पूरी छूट दी गई थी। उधर, शाम 5 बजे ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े एक और कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहेंगे।

- **सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं...** डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन और डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ राजीव घई ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि 'आत्मनिर्भर' केवल एक नारा नहीं है, बल्कि वास्तव में हमारी शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाला है। आज हमारे 65 फीसदी से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही बनाए जा रहे हैं। सेना उन्हीं हथियारों का उपयोग कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, अभी तो शुरुआत है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना अब सुरक्षित नहीं है। घई ने दुष्यंत कुमार के शेर सुनाए। कहा-सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। भारत अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर कदम उठाएगा। 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 लक्ष्यों को भारतीय सेना और 2 को भारतीय वायु सेना ने निशाना बनाया था।

हमारी कार्रवाई में नरमी की गुंजाइश नहीं होती

एयर मार्शल अवधेश कुमार बोले- हम हमेशा जिओ और जीने दो के सिद्धांत के साथ जीते हैं। जब हमारी शांति की इच्छा को कमजोरी समझ लिया जाए और हमारी चुप्पी को हमारी अनुपस्थिति मान लिया जाए, तो कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। जब हम कार्रवाई करते हैं, तो उसमें किसी तरह की नरमी की गुंजाइश नहीं होती। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था। सेनाओं को पूरी ऑपरेशन फ्रीडम दी गई थी।

धोखेबाज दलों को जनता दफन करेगी

योगी बोले-देशद्रोहियों ने सिर उठाया तो काम तमाम

सहारनपुर (एजेंसी)। 'सहारनपुर पहले फतवों, दंगों और पलायन के लिए जाना जाता था। हर बात पर फतवे जारी होते थे। खाना कैसे खाना है, इस पर भी फतवा जारी होता था। हमने यहां फतवों की संस्कृति नहीं, बल्कि एटीएस सेंटर दिया है। अब यहां हमारे कमांडो निगरानी करते हैं। कोई भी देशद्रोही सिर उठाएगा तो उसका काम तमाम तय है।' सीएम योगी ने गुरुवार को सहारनपुर को 2131 करोड़ की 325 विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए यह बात कही। पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत पर योगी ने कहा- बंगाल में पहली बार भाजपा ने सरकार बनाकर सभी राजनीतिक विश्लेषकों को आईना दिखाया है। जो समाज के विभाजन के लिए व्यूह रचना कर रहे थे, उन्हें आईना दिखाया है। इस जीत ने बता दिया कि जनप्रतिनिधि अगर जनता के बीच सक्रिय रहें, तो सरकार दोहराई जाएगी। वरना जनता देश को धोखा देने वाले राजनीतिक दलों को दफन करने में देर नहीं लगाएगी। इससे पहले, योगी ने कई योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र बांटे।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ निपटाएंगे सास-बहू का झगड़ा

- एससी ने कपूर फैमिली विवाद में नियुक्त किया मध्यस्थ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ एक हाई प्रोफाइल बिजनेस फैमिली के झगड़े के सुलझाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कपूर फैमिली विवाद में मध्यस्थ के तौर पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कपूर फैमिली के पारिवारिक ट्रस्ट से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए की गई है। यह विवाद उस कानूनी लड़ाई का केंद्र बिंदु है, जो पिछले साल जून में व्यवसायी संजय कपूर के निधन के बाद उनके द्वारा छोड़ी गई 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रही है। मुख्य विवाद संजय कपूर की मां से है।

परिवार के सभी सदस्य मध्यस्थता के लिए राजी

विवाद में शामिल परिवार के सभी सदस्य ट्रस्ट से जुड़े मामले में मध्यस्थता के लिए पेश होने को राजी हो गए हैं। इनमें संजय कपूर की दूसरी पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चे, समायरा और कियान भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जालसाजी का उनका मामला ट्रस्ट से अलग चलेगा। उनकी तीसरी पत्नी, प्रिया कपूर ने अदालत से कहा कि उनके दिवंगत पति की मां यानी रानी कपूर को सार्वजनिक रूप से घर के झगड़े ज़ाहिर करना बंद कर देना चाहिए। उनका इशारा सार्वजनिक रूप से की जा रही टिप्पणियों की ओर था। इसके बाद न्यायालय ने मध्यस्थता की कार्यवाही में भाग लेने का आग्रह किया।

अगली सुनवाई अब अगस्त में होगी

पीठ ने कहा, आज संबंधित पक्षों की ओर से पेश सभी वकीलों ने मध्यस्थता के लिए सहर्ष सहमति व्यक्त की है। इसे देखते हुए हम भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ के रूप में नियुक्त करते हैं। पीठ ने यह भी कहा, हम मध्यस्थ से प्रारंभिक रिपोर्ट मिलने की प्रतीक्षा करेंगे और उसके बाद मामले में आगे की कार्यवाही करेंगे। मामले की अगली सुनवाई अब अगस्त में होगी।

पारिवारिक ट्रस्ट को अमान्य घोषित करने की मांग

शीर्ष अदालत ने 27 अप्रैल को, संजय कपूर की मां द्वारा दायर उस मामले में प्रिया कपूर और अन्य से जवाब मांगा था जिसमें पारिवारिक ट्रस्ट को अमान्य घोषित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। पीठ ने 80 वर्षीय रानी कपूर द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी किया था।

बंद मंदिर खुले, रोड से हट गए फर्जी टोल

वेस्ट बंगाल में दिखने लगा परिवर्तन का असर

कांग्रेस को भी मिला सालों से खोया हुआ ऑफिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने तृणमूल कांग्रेस को बुरी तरह पटखनी दे दी है। सत्ता पलट होने के साथ ही पूरे राज्य में आगजनी, तोड़फोड़ और झड़प की खबरें सामने आ रही हैं। फिलहाल 9 मई को राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह है। उससे पहले बंगाल बीजेपी के बड़े नेता और संभावित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके अलावा मुर्शिदाबाद के जियागंज इलाके में भीड़ ने लेनिन की मूर्ति को तोड़ दिया। 24 परगना में टीएमसी नेता जहांगीर खान के ऑफिस में भी भीड़ ने तोड़फोड़ की है।

कांग्रेस कार्यालयों से हटा कब्जा

चुनाव के नतीजे आते ही एक तरफ बीजेपी कार्यालय में मिठाइयां बंट रही थीं। वहीं दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल के कई जिलों में कांग्रेस के कार्यालय ताला तोड़कर खोले गए। कांग्रेस के इन कार्यालयों को टीएमसी ने कब्जा रखा था। बीजेपी के सत्ता में आने के साथ ही कांग्रेस को उसके कार्यालय वापस मिल गए।

- **कई जिलों में मंदिरों में फिर शुरू हुई पूजा**– कई जिलों में मंदिरों पर भी ताले लटका दिए गए थे। जैसे ही प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ, वैसे ही इन मंदिरों के ताले खोलकर इनमें साफ-सफाई शुरू कर दी गई। पूरे पश्चिम बंगाल से ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिनसे सालों से दबी भावनाएं फिर मुखर होकर सामने आईं।
- **नाकों पर हो रही अवैध वसूली बंद**– पश्चिम बंगाल से लगी अन्य राज्यों की सीमाओं पर कहीं पुलिस तो कहीं टीएमसी के कार्यकर्ता वाहनों से अवैध वसूली करते थे। सत्ता बदलते ही अब उन नाकों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। कई जगहों से ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जहां पहले वाहनों से वसूली होती थी और अब उन नाकों से वाहन सीधे निकल रहे हैं। ऐसा शायद ही कभी देखा गया हो कि किसी राज्य में सत्ता परिवर्तन को सरकारी कर्मचारी भी खुले तौर पर समर्थन कर रहे हों। पश्चिम बंगाल सचिवालय में चुनावी नतीजे साफ होते ही सभी कर्मचारी इकट्ठे हो गए और जमकर अपनी खुशी जाहिर की। यह कर्मचारी पिछले काफी वर्षों से सरकार से डीए बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

कई सालों से दबी आह अब निकली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें एक युवक बता रहा है कि लॉकडाउन के समय उससे स्थानीय टीएमसी नेता ने 5 लाख रुपए की मांग की थी। जिसे न देने पर उससे अंजाम भुगतने को तैयार रहने कहा गया। युवक ने जब वसूली देने से मना किया तो उसकी दुकान पर रोज कचरा फिंकवा कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसकी दुकान पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी भड़काया गया। सत्ता बदलते ही युवक ने वीडियो बनाकर अपनी भड़ास निकाली है। फिलहाल सभी को 9 मई का इंतजार है। शपथ ग्रहण के बाद सरकार संभालते ही कानूनी स्थिति भी संभलने की उम्मीद है। लोगों में बदलाव को लेकर सकारात्मकता देखी जा रही है। बता दें कि बीजेपी पहली बार अपने दम पर पश्चिम बंगाल में सरकार बना रही है।

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर में होटल में युवती से रेप, प्रेमी गिरफ्तार, पीड़िता बोली- मिलने के बहाने बुलाया था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में युवती से रेप का मामला सामने आया है। अहियापुर थाना क्षेत्र के आर.एस. होटल एंड रेसीडेंसी में बुधवार रात युवती ने पुलिस को फोन कर मदद मांगी, जिसके बाद टीम ने उसे बचाया। मौके से आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता ने बताया कि सिवाई पट्टी निवासी सुजीत कुमार से पिछले ढ़ाई साल से अफेयर चल रहा था। शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक शोषण किया। सुजीत ने मिलने के बहाने बुलाया। मुझे अपनी पत्नी बताकर एक कमरा बुक गया। होटल के रजिस्टर में लिखा कि पत्नी के साथ आया हूं। कमरे के अंदर सुजीत ने मेरे साथ दरिंदगी की। विरोध करने पर प्रताड़ित किया। खुद को खतरे में पाकर किसी तरह से पुलिस को सूचना दी। अहियापुर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए होटल पर छापा मारा। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर सुरक्षित निकाला। मामले की गंभीरता को देखते हुए रात में ही कमरे को सील कर दिया, ताकि साक्ष्यों से छेड़छाड़ न हो सके। गुरुवार को पुलिस टीम फॉरेंसिक (FSL) विशेषज्ञों के साथ दोबारा होटल पहुंची। पीड़िता को भी शिनाख्त के लिए साथ ले जाया गया, जहां उसने पूरी बात बताई। कमरे से कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं, जो जांच में सहायक होंगे। पुलिस ने होटल मालिक को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि प्रेमी जोड़ों को कमरा देते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। बिना सही पहचान और संदेह होने पर सूचना न देना लापरवाही की श्रेणी में आता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि होटल में ठहरने वाले हर व्यक्ति का पूर्ण विवरण होना अनिवार्य है। नगर एसडीपीओ विनीत सिंह ने बताया कि एक लड़की ने फोन करके बताया था कि होटल के कमरे में उसके साथ गलत काम किया जा रहा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने युवती को सुरक्षित निकाला। आरोपी सुजीत को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता का मेडिकल चेकअप करा लिया गया है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

'गर्लफ्रेंड ने कॉल करके बुलाया, फिर दोस्तों से पिटवाया', प्रेमी पर छेड़खानी का आरोप

मुजफ्फरपुर। "मेरी गर्लफ्रेंड ने मुझे मिलने के लिए बुलाया था। उसने कहा कि एक बार आकर मिलो। उसके बुलाने पर ही मैं कॉलेज आया था, लेकिन यहां आने के बाद उसने अपने दोस्तों को बुला लिया और मेरे साथ मारपीट की। उसने मुझ पर छेड़खानी का झूठा आरोप लगाया और कॉलेज मैनेजमेंट से कहकर डायल-112 की टीम को बुलाकर मुझे गिरफ्तार करवा दिया।" यह कहना है पूर्वी चंपारण के राजेपुर थाना क्षेत्र के मधुआ गांव निवासी रवि शंकर कुमार (25) का। सफाई में उन्होंने ये बातें कहीं। रवि शंकर कुमार पर आरोप है कि उसने एग्जाम हॉल में एक छात्रा पर जबरन शादी करने का दबाव बनाया।

छात्रा के मना करने पर उसने गोली मारने की धमकी दी। हालांकि, रवि का कहना है, "हम दोनों का तीन साल से अफेयर था, लेकिन लड़की ने मुझे धोखा दे दिया। मामला ललित नारायण तिरहुत (LNT) कॉलेज, अघोरिया बाजार, मुजफ्फरपुर से जुड़ा है। मंगलवार को कॉलेज में बीए फिफ्थ सेमेस्टर की परीक्षा चल रही थी। इसी दौरान सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम कॉलेज पहुंची और रवि शंकर कुमार को गिरफ्तार कर लिया। छात्रा का आरोप है, "मंगलवार को मैं कॉलेज में बीए फिफ्थ सेमेस्टर की परीक्षा दे रही थी। इसी दौरान आरोपी शिव शंकर अचानक परीक्षा हॉल में घुस आया। उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और जबरन खींचकर मुझे बाहर ले जाने की कोशिश की। जब मैंने बाहर जाने से इनकार कर दिया, तो उसने मुझे एग्जाम हॉल में टेबल से नीचे गिरा दिया। एग्जाम सेंटर में मौजूद छात्र-छात्राएं पूरा घटनाक्रम देख रहे थे। जब मैं नीचे गिरी, तो स्टूडेंट्स मुझे बचाने आए और आरोपी शिव शंकर को पकड़ लिया।" छात्रा ने काजी मोहम्मदपुर थाना की पुलिस को बताया, "आरोपी रवि शंकर कुमार मुझे पिछले तीन साल से परेशान कर रहा है। उसने मुझे प्रपोज किया था, लेकिन मैंने इनकार कर दिया था। इसके बाद वह एकतरफा प्यार में मुझ पर शादी के लिए दबाव बनाने लगा। जब मैंने इनकार किया, तो उसने मुझे गोली मारने की धमकी दी।"

5 महीने पहले हुई थी शादी, हादसे ने छीनी जिंदगी, मुजफ्फरपुर में तेज रफ्तार वाहन ने 2 युवकों को रौंदा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक की हालत गंभीर है। इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। मृतक की पहचान ब्रह्मदेव दास के बेटे मनीष कुमार(23) के रूप में हुई है। घटना बरूराज थाना क्षेत्र के मुरारापुर चौक के पास की है। मृतक के जीजा मनोज दास ने बताया, दोनों युवक बाइक से अपने घर लौट रहे थे। घर से 3 किलोमीटर पहले एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोगों ने तुरंत घायलों को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों में मनीष को मृत घोषित कर दिया। मनोज दास ने बताया, मनीष की शादी महज पांच महीने पहले ही हुई थी। 4 दिसंबर को शादी हुई थी। घर के लिए सामान खरीदकर लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पत्नी और परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी ड्राइवर की तलाश की जा रही है। पूरे इलाके में शोक का माहौल है। मनीष परिवार का सहारा था और उसकी अचानक मौत ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया है।

अवैध संबंध, पैसों के विवाद में हुई नौशाद की हत्या

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के पियर थाना क्षेत्र में हुए 29 अप्रैल को हुई नौशाद की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पैसों के लेन-देन, बिजली कनेक्शन विवाद और अवैध संबंध के कारण नौशाद की हत्या की गई थी। घटना 29 अप्रैल की रात की है। 30 अप्रैल की सुबह पियर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर छपरा में मो. नौशाद आलम का शव उनकी मोटरसाइकिल के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया था। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (पूर्वी-02) ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। मृतक की पत्नी नाजमी प्रवीण के आवेदन पर पियर थाना में कांड संख्या 63/26 दर्ज किया गया था। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के पर्यवेक्षण और एसडीपीओ (पूर्वी-02) के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच की। जांच के दौरान पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों मोहम्मद सिराज, मोहम्मद असरफ और मोहम्मद सहाबुद्दीन को गिरफ्तार किया। ये सभी मुजफ्फरपुर के पियर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपियों के बीच मकान खरीद-बिक्री के पैसों के लेन-देन और बिजली कनेक्शन को लेकर पहले से विवाद था। इसके अलावा, मृतक का मुख्य आरोपी मो. सिराज की पत्नी के साथ अवैध संबंध भी था। इन्हीं कारणों से आरोपियों ने साजिश रचकर बिजली के तार से गला घोंटकर नौशाद आलम की हत्या की थी। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक की मोटरसाइकिल, विभिन्न रंग के बिजली के तार, प्लास्टिक की बोतलें, ग्लास, नमकीन के पैकेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया था। नौशाद की मकई के खेत में लाश मिली थी। उसकी लाश के पास ही बाइक भी पड़ी थी। नौशाद मूल रूप से वैशाली के कटहारा थाना क्षेत्र का रहने वाला था और पियर थाना क्षेत्र में ही ससुराल के पास चिकन शॉप चलाता था।

5 जिलों में आंधी-बारिश, रोहतास में ओले गिरे, 24 जिलों में अलर्ट

पटना में लैंडिंग से पहले टर्बुलेंस में फंसी फ्लाइट, लखनऊ डायवर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। जमुई, रोहतास, गयाजी समेत 5 जिलों में तेज बारिश हो रही है। गयाजी, रोहतास, लखीसराय में बारिश के साथ ओले भी गिरे। कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज 24 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40Km/h की रफ्तार से हवा चलेगी। गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है। पटना में आधी रात करीब डेढ़ घंटे तेज बारिश हुई, जिससे कई जगह पानी भर गया। पुनाईचक में सड़क धंस गई। इससे पहले राजधानी में बुधवार दोपहर ओले गिरे। इधर, इंडिगो की फ्लाइट 6E6497 पटना में लैंडिंग से पहले भयंकर टर्बुलेंस में फंस गई। विमान में चीख-पुकार मच गई। जिसके बाद फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट किया गया।

टर्बुलेंस में फंसी फ्लाइट, लखनऊ डायवर्टः पटना आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E6497 बुधवार को लैंडिंग से पहले अचानक खराब मौसम और तेज टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। विमान में बैठे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। तेज झटकों की वजह से कई यात्री डर गए और फ्लाइट के अंदर चीख-पुकार की स्थिति बन गई। यात्रियों को ऐसा लग रहा था जैसे कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस फ्लाइट को केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी उड़ा रहे थे।

खराब मौसम और सुरक्षा कारणों को देखते हुए पायलट ने विमान को पटना में उतारने की बजाए लखनऊ डायवर्ट करने का फैसला लिया। इसके बाद फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। विमान के सुरक्षित लैंड होते ही यात्रियों ने राहत की सांस ली। फ्लाइट में मौजूद सांसद राजीव प्रताप रूडी ने भी यात्रियों का हौसला बढ़ाया। लखनऊ में सुरक्षित लैंडिंग के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "अब आप ताली बजा सकते हैं, क्योंकि आप सुरक्षित उतर गए हैं।"

2 महीने पहले राजनीति में आए निशांत, अब मंत्री

एजेंसी, पटना

बिहार में गुरुवार को सम्राट कैबिनेट का विस्तार हुआ। 30 विधायकों ने शपथ ली। इनके साथ निशांत कुमार और दीपक प्रकाश ने भी शपथ ली। दोनों अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। कैबिनेट में JDU कोटे से तीन फ्रेश चेहरों को शामिल किया गया है। वहीं, बीजेपी ने अपने 4 विधायकों को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह दी है।

जदयू कोटे से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने मंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ जदयू से श्वेता गुप्ता और बुलो मंडल ने भी मंत्री पद की शपथ ली। बीजेपी से मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र पासवान, अरूण शंकर पासवान, नंद किशोर राम और इंजीनियर शैलेंद्र को पहली बार मंत्रीमंडल में जगह मिली है।

निशांत कुमार ने 8 मार्च 2026 को JDU जॉइन की थी। 2 महीने के अंदर ही वे मंत्री बन गए हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से दूर रहे, लेकिन हाल के दिनों में जदयू की सदस्यता लेने के बाद वे राजनीतिक तौर पर सक्रिय हुए हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके निशांत अब धीरे-धीरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आने लगे हैं।

निशांत कुमार वर्तमान में बिहार में सद्भावना यात्रा निकाल रहे हैं और राज्य के सभी जिलों का दौरा कर रहे हैं। निशांत बिहार में अपनी राजनीतिक और सामाजिक पकड़ मजबूत करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बीच उनके मंत्री बनने से जेडीयू कार्यकर्ता उत्साहित हैं। फिलहाल, निशांत कुमार बिहार के किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं, लेकिन जदयू के भीतर उन्हें नई पीढ़ी के संभावित चेहरे के रूप में देखा जा रहा है।

बिहटा में अज्ञात गाड़ी ने दो पैदल यात्रियों को कुचला, दोनों गंभीर रूप से घायल

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा थानाक्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर जेएमडी फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दो पैदल यात्रियों को कुचल दिया। बुधवार देर रात हुई इस घटना में दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया है। घायलों की पहचान 50 वर्षीय डोमन बिंद और 45 वर्षीय सफिंदर कुमार के रूप में हुई है। दोनों एकंगरसराय के निवासी हैं।

तेज रफ्तार गाड़ी ने दोनों को कुचलाः जानकारी के अनुसार, दोनों पेशे से ट्रक चालक हैं और माल लेकर फैक्ट्री आए थे। गाड़ी खड़ी करने के बाद वे खाना खाने के लिए पैदल ही होटल जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार से आ रही गाड़ी दोनों को टक्कर मारते हुए फरार हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

दोनों घायल का हालत गंभीर, पटना रेफरः डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया है। अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। घटना के बाद थोड़ी देर के लिए यातायात भी बाधित हो गई।

फरार वाहन की तलाश में पुलिसः घटना को लेकर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि, घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और 112 डायल की टीम मौके पर पहुंची थी। घटना की जानकारी घायलों के परिजनों को दे दी गई है। फरार वाहन की तलाश में पुलिस की टीम लगी हुई है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस सड़क मार्ग में बाजार होने के कारण आए दिन इस तरह की घटनाएं होते रहती हैं।

वैशाली में स्वर्ण व्यवसायी डकैती कांड में 3 गिरफ्तार

एजेंसी, हाजीपुर

- नेपाल-बिहार गैंग के 3 अपराधी गिरफ्तार, 1998 के बाद पहली बार पकड़ा गया कुख्यात जयराम

वैशाली पुलिस ने महनार थाना क्षेत्र में 20-21 अप्रैल 2026 की रात हुई डकैती का खुलासा कर दिया है। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर महनार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित विशेष अनुसंधान दल (SIT) ने इस मामले में तीन मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये अपराधी दो दर्जन से अधिक मामलों में वांछित एक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। SIT ने इस मामले में तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ-साथ कई स्थानों पर छापेमारी भी की। जांच के दौरान एक संदिग्ध मोबाइल नंबर की पहचान हुई, जो जमीला खातून के नाम पर पंजीकृत था। कॉल डिटेल और डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चला कि इस नंबर का उपयोग उसकी बेटी और दामाद नौशाद कर रहे थे।

डकैती की साजिश पहले से रची गई थीः सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ से यह भी स्पष्ट हुआ कि मो. इदरीश सहित अन्य अपराधी इस घटना में शामिल थे तथा डकैती की साजिश पहले से रची गई थी। टीम ने मो. नौशाद को डकैती के 21,400 रुपये के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आगे की जांच में गिरफ्तार अभियुक्त राजीव कुमार सिंह (निवासी रूपौली, थाना तरियानी छपरा, जिला शिवहर) के बयान और तकनीकी साक्ष्यों से घटना की साजिश और उसके क्रियान्वयन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। अनुसंधान में सामने आया कि अपराधियों ने बेतिया में एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान मिलकर महनार थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव में एक स्वर्ण व्यवसायी के घर डकैती की योजना बनाई थी। 20 अप्रैल 2026 को सभी अपराधी मुजफ्फरपुर से हाजीपुर होते हुए महनार पहुंचे। रात में उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से हथियारों और औजारों का इस्तेमाल कर डकैती को अंजाम दिया। इस दौरान अपराधियों ने 50 ग्राम सोने के आभूषण और 50 हजार रुपये नकद लूटे थे, जिसे बाद में आपस में बांटने की योजना थी।

कुख्यात डकैत जयराम पासवान को भी गिरफ्तार कियाः अग्रिम अनुसंधान और लगातार की जा रही छापेमारी के बीच, SIT को गुप्त सूचना मिली है कि घटना में शामिल सभी अपराधी राजीव सिंह के घर पर इकट्ठा होने वाले हैं। पुलिस इस सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस संबंध में वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने बताया कि बीते 21 अप्रैल की देर रात महनार में स्वर्ण व्यवसाई के घर हुए भीषण डकैती कांड का उद्भेदन कर लिया है। साथ ही वैशाली पुलिस ने डकैती में शामिल दो नेपाली अपराधी सहित तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि इस डकैती में मुख्य भूमिका निभाने वाले नेपाल के कुख्यात डकैत जयराम पासवान को भी गिरफ्तार किया है जो पहली बार गिरफ्तार हुआ है।जिसपर सीतामढ़ी,शिवहर,मधुबनी और नेपाल में दर्जनों डकैती के केस दर्ज है और 1998 के बाद पहली बार इसे गिरफ्तार किया गया है।

डकैती की घटना को अंजाम दे कर फरार हो गए थेः इतना ही नहीं वैशाली एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि इस डकैती कांड को नेपाल और बिहार के गैंग ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया था जिसमे जेन जी आंदोलन से भागे अपराधी भी शामिल थे।

लैंडिंग से पहले इंडिगो फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी राजीव प्रताप रूडी ने लखनऊ में सुरक्षित उतरा

एजेंसी, पटना

- यात्रियों से बोले-अब आप ताली बजा सकते हैं

पटना आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E6497 गुरुवार को लैंडिंग से पहले अचानक खराब मौसम और तेज टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। लैंडिंग से ठीक पहले विमान में अचानक तेज झटके लगने लगे, जिससे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री डर गए और फ्लाइट के अंदर चीख-पुकार की स्थिति बन गई। यात्रियों को ऐसा लग रहा था, जैसे कोई बड़ा हादसा हो सकता है। खास बात यह रही कि इस फ्लाइट को केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी उड़ा रहे थे। खराब मौसम और सुरक्षा कारणों को देखते हुए पायलट ने विमान को पटना में उतारने के बजाय लखनऊ डायवर्ट करने का फैसला लिया। इसके बाद फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। विमान के सुरक्षित लैंड होते ही यात्रियों ने राहत की सांस ली।

रूडी ने यात्रियों का हौसला बढ़ायाः फ्लाइट में मौजूद केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने भी यात्रियों का हौसला बढ़ाया। लखनऊ में सुरक्षित लैंडिंग के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अब आप ताली बजा सकते हैं, क्योंकि आप सुरक्षित उतर गए हैं।' उनकी यह बात सुनते ही फ्लाइट में मौजूद सभी यात्रियों ने तालियां बजाईं। कुछ यात्रियों ने इस पूरे घटनाक्रम को बेहद डरावना बताया। वहीं, सुरक्षित लैंडिंग के बाद लोगों ने पायलट और क्रू मेंबर्स की सराहना की।

लेक्चरर और पायलट रह चुके हैं रूडीः राजीव प्रताप रूडी का जन्म 30 मार्च, 1962 को पटना में हुआ था। उनके पिता विश्वनाथ सिंह और मां का नाम प्रभा सिंह है। उनका परिवार मूल रूप से सारण जिले के अमनौर का रहने वाले हैं। रूडी ने पटना के संत माइकल हाई स्कूल से शुरुआती पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने चंडीगढ़ के डीएवी कॉलेज से अपनी पढ़ाई की। उन्होंने चंडीगढ़ के गवर्नमेंट कॉलेज से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया है। रूडी ने 1985 में पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री और 1987 में मगध यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया है। यूनिवर्सिटी पॉलिटिक्स में भी रूडी सक्रिय थे। वे पंजाब यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष रह चुके हैं। हालांकि, सक्रिय राजनीति में आने से पहले वे पटना के एएन कॉलेज में लेक्चरर थे।

सम्राट की पुलिस से खफा हुए बाहुबली अनंत सिंह

एजेंसी, पटना

बाहुबली अनंत सिंह सम्राट चौधरी की पुलिस से खफा हैं। गोपालगंज पुलिस ने JDU विधायक पर FIR दर्ज की है। 3 दिन पहले अनंत सिंह गोपालगंज के मीरगंज में एक जनेऊ कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उनके समर्थकों ने खुलेआम हथियार लहराए थे। इसी कार्यक्रम में अनंत सिंह मुजरा देखने के दौरान तालियां बजाते दिखे थे। हथियार लहराने को लेकर अनंत सिंह समेत 9 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। FIR दर्ज होने के बाद अनंत सिंह सम्राट सरकार के खफा हैं।

उन्होंने कहा है कि, FIR से मैं डरता हूं क्या? क्या मैं किसी आमंत्रण में नहीं जाऊं। उन्होंने गोपालगंज के एसपी विनय तिवारी को भी निशाने पर लिया। अनंत सिंह ने कहा कि, सुने उसको कोई जानता नहीं, इसलिए नाम कमाने के लिए ये सब किया है। अनंत सिंह ने कहा कि, मैंने कोई गलती नहीं की है। अगर गलती की होगी तो हमको भुगतना होगा। ऊपर भगवान बैठा है।

पूरा मामला मीरगंज के सेमराव गांव में गुड्डू राय के घर 2 और 3 अप्रैल को जनेऊ संस्कार के कार्यक्रम का है। जनेऊ में अनंत सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शामिल हुए थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेहमान शामिल हुए थे।

सम्राट कैबिनेट में मंत्री बने केदार प्रसाद गुप्ता

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कैबिनेट में केदार प्रसाद गुप्ता ने मंत्री पद की शपथ ली है। इससे पहले केदार प्रसाद नीतीश कैबिनेट में भी मंत्री रह चुके हैं। कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक केदार प्रसाद गुप्ता बिहार भाजपा में तेजी से उभरते वैश्य चेहरों में गिने जा रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ और चुनावी संघर्षों में लगातार सक्रिय भूमिका ने उन्हें प्रदेश नेतृत्व के भरोसेमंद नेताओं की सूची में ला खड़ा किया है। इसी वजह से सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद कैबिनेट में उनका नाम शामिल हुआ है। मुजफ्फरपुर जिले की कुढ़नी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक केदार प्रसाद गुप्ता बिहार की राजनीति में एक मजबूत जमीनी नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। ग्रामीण राजनीति से शुरुआत करने वाले केदार प्रसाद गुप्ता ने लंबे समय तक पंचायत स्तर पर सक्रिय रहकर अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत की। वे लगातार 15 वर्षों तक मुखिया पद पर रहे। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र से केदार प्रसाद गुप्ता 2015 से 2020 तक कुढ़नी विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हालांकि, उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा 2022 के कुढ़नी उपचुनाव में हुई, जहां उन्होंने शानदार जीत दर्ज कर अपनी मजबूत पकड़ का एहसास कराया। इस जीत के बाद भाजपा में उनका कद और बढ़ गया।

मुजफ्फरपुर के दो पुलिसकर्मियों का विवाद पटना पहुंचा मुख्यालय में सुनवाई के लिए दोनों पक्षों को बुलाया

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

- एक ने दूसरे पर लगाया मानसिक, शारीरिक शोषण का आरोप

बिहार पुलिस की स्पेशल ब्रांच में तैनात मुजफ्फरपुर के इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर के बीच चल रहा विवाद का पुलिस मुख्यालय ने संज्ञान लिया है। मुख्यालय ने दोनों पक्षों को 7 मई 2026 (गुरुवार) को पटना तलब किया है। ये कार्रवाई लगभग दो वर्षों के इंतजार के बाद की गई है। विवाद की शुरुआत 14 अक्टूबर 2024 को भेजे गए शिकायती पत्रों से हुई थी। मुजफ्फरपुर स्पेशल ब्रांच में तैनात सब-इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार सिंह ने पत्र लिखकर तत्कालीन इंस्पेक्टर दिलीप कुमार पर मानसिक और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। धर्मेंद्र सिंह ने अपने पत्र में ये भी उल्लेख किया था कि अगर उन्हें समय से पहले सेवानिवृत्ति (VRS) नहीं दी गई, तो वे आत्महत्या करने को मजबूर होंगे। धर्मेंद्र सिंह के आरोपों के मुताबिक, इंस्पेक्टर दिलीप कुमार जूनियर अधिकारियों का उत्पीड़न करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सूचना संकलन के लिए तैनात वाचर जयप्रकाश गौतम, जो धर्मेंद्र सिंह के अधीन कार्यरत हैं, उन्हें फील्ड में भेजने के बजाय इंस्पेक्टर उनसे घरेलू कार्य करवाते हैं। धर्मेंद्र सिंह ने इन आरोपों की तकनीकी जांच की भी मांग की थी।

धर्मेंद्र सिंह के आरोपों को लेकर दिलीप सिंह ने भी किया था पत्रचारः दूसरी ओर, इंस्पेक्टर दिलीप कुमार ने भी सब-इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार सिंह के खिलाफ कई पत्राचार किए थे। इस मामले में स्थानीय पुलिस से भी रिपोर्ट मंगवाई जा चुकी है। ये मामला केवल विभागीय पत्राचार तक सीमित नहीं रहा। सब-इंस्पेक्टर धर्मेंद्र सिंह की पत्नी रूबी सिंह ने मुजफ्फरपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (CJM) की अदालत में इंस्पेक्टर दिलीप कुमार और अन्य के खिलाफ एक परिवाद दायर किया था। परिवाद में आरोप लगाया गया था कि कार्यालय में आयोजित एक बैठक के दौरान उनके पति के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट की गई थी। इसी घटना के बाद धर्मेंद्र सिंह ने वीआरएस की मांग उठाई थी। जानकारी के अनुसार, आरोपी इंस्पेक्टर दिलीप कुमार साल 2012 में बेगूसराय से ट्रांसफर होकर मुजफ्फरपुर स्पेशल ब्रांच में आए थे। तब से लेकर अब तक, यानी पिछले करीब 14 साल से वे एक ही शाखा में कार्यरत हैं।

संक्षिप्त समाचार

घोड़ासहन में 1.4 किलो अफीम के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी/घोड़ासहन। पूर्वी चम्पारण जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र में पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में 1.4 किलोग्राम अफीम के साथ एक पुरुष एवं एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर घोड़ासहन बस स्टैंड के समीप की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दिलीप कुमार, पिता रामकिशुन राम, निवासी पिपरा, थाना दरपा, जिला पूर्वी चम्पारण के रूप में हुई है। पुलिस ने एक महिला को भी हिरासत में लिया है। छापेमारी के दौरान एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जब्त अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। दोनों आरोपितों से पूछताछ कर अफीम तस्करी के नेटवर्क और उसके स्रोत का पता लगाया जा रहा है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में सिकरहना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उदय शंकर, घोड़ासहन थाना के पर्यवेक्षी पदाधिकारी पु०नि० धनंजय कुमार निर्दोष, थानाध्यक्ष पु०अ०नि० अमरजीत कुमार, पु०अ०नि० आशीष कुमार, पु०अ०नि० निधि कुमारी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पिस्टल एवं पेचकस के साथ चार अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी/छौड़ादानो। पूर्वी चम्पारण जिले के छौड़ादानो थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से एक पिस्टल, एक मोटरसाइकिल तथा दो पेचकस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान आकाश कुमार, पिता मिश्रीलाल शर्मा, सूरज कुमार, पिता रामबाबू प्रसाद, ऋतुराज कुमार, पिता शंभू शर्मा तथा विक्रम कुमार, पिता पिंटू राम, सभी निवासी छौड़ादानो थाना क्षेत्र, जिला पूर्वी चम्पारण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सभी अभियुक्त संदिग्ध परिस्थिति में घूम रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक पिस्टल, एक मोटरसाइकिल एवं दो पेचकस बरामद किए गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बरामद हथियार के संबंध में भी छानबीन की जा रही है। सभी अभियुक्तों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट सहित अन्य सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एनडीपीएस मामले में चार अभियुक्तों को 11 वर्ष कारावास

बीएनएम @ मोतिहारी। मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं समर्पित आरोप पत्र के आधार पर न्यायालय, रेशमा वर्मा, एनडीपीएस कोर्ट-1, मोतिहारी ने एनसीबी कांड संख्या-PZU/V/15/2019 (एनडीपीएस कांड संख्या-53/19) में चार अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई है। न्यायालय ने अभियुक्त इन्द्रकांत देव उर्फ रंजीत, पिता महेंद्र देव, निवासी दोनार चौक, जिला दरभंगा, राजीव कुमार मंडल, पिता महेंद्र मंडल, मो० खुर्शीद आजम, पिता मो० मुशिद आजम, दोनों निवासी दिलावरपुर, थाना बहादुरगंज, जिला दरभंगा तथा उमाकांत यादव, पिता स्व० रामचरण यादव, निवासी सनोहा, थाना पलनवा, जिला पूर्वी चंपारण को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(b)(ii)(c), 25 एवं 29 के तहत दोषी पाया। न्यायालय ने सभी अभियुक्तों को 11 वर्ष के सश्रम कारावास तथा एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले में लोक अभियोजक मिथिलेश कुमार वर्मा ने प्रभावी पैरवी करते हुए अभियोजन पक्ष का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों एवं अनुसंधान के आधार पर न्यायालय ने यह फैसला सुनाया है।

शराब सेवन एवं लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में छह गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी/आदापुर। पूर्वी चम्पारण जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराने को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में आदापुर थाना क्षेत्र में शराब सेवन कर लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने एवं सरकारी वाहन-112 को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में गणेश राय, संतोष राम, लवकुश कुमार, ओम कुमार, वीरेंद्र कुमार एवं सरोज कुमार शामिल हैं। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक नेपाली नंबर की वाहन को भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपित शराब के नशे में वाहन चला रहे थे। इस दौरान उनकी लापरवाही से डायल-112 की सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में शराबबंदी कानून, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा अन्य सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चोरी की बाइक के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी/झरोखर। झरोखर थाना क्षेत्र में संध्या गश्ती के दौरान चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान में पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम सैनिक रोड के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल को रोककर एचएचडी मशीन से जांच की गई। जांच में पता चला कि उक्त मोटरसाइकिल चोरी की है तथा इस संबंध में चकिया थाना कांड संख्या-74/22 दर्ज है। मौके पर पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार विश्वनाथ महतो, पिता मुसाफिर महतो, निवासी बांसवाड़िया, थाना सिमरौनगढ़, जिला बारा, नेपाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उत्पाद पुलिस ने 105 लीटर अवैध शराब के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज।

मद्यनिषेध विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे निरंतर अभियान के तहत उत्पाद थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। उत्पाद निरीक्षक अरविन्द कुमार के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध चुलाई शराब बरामद करते हुए एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई गोविंदगंज थाना क्षेत्र के बिनवलिया पुल के समीप की गई। गुप्त सूचना के आधार पर सक्रिय हुई उत्पाद विभाग की टीम ने घेराबंदी कर एक मोटरसाइकिल को रोका। तलाशी के दौरान बाइक से 105 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से धंधेबाज को हिरासत में ले लिया और शराब के साथ-साथ तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (निबंधन संख्या- BR22Z7016) को भी जब्त कर लिया है। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के घुसियार बाजार निवासी मोहित कुमार (पिता- सुरेन्द्र राम) के रूप में हुई है, जिसकी उम्र लगभग 17 वर्ष बताई जा रही है। इस छापेमारी टीम में ए.एस.आई. उत्पल कुमार, उत्पाद सिपाही आकाश राज और सशस्त्र बल के रामविनय कुमार मुख्य रूप से शामिल थे। उत्पाद विभाग ने गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 (संशोधित 2018) की धारा-30(a) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।।

चिरैया में आंगनबाड़ी केंद्रों की हकीकत उजागर, कागजों पर चल रही योजनाएं

बीएनएम @ मोतिहारी @ श्रीनिवास कुमार

मोतिहारी। चिरैया प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों की जमीनी स्थिति एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद सामने आई सच्चाई ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महुआवा पूर्वी पंचायत के वार्ड संख्या-07 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-16 का गुरुवार सुबह 9:34 बजे निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र तो खुला मिला, लेकिन वहां न तो सहायिका मौजूद थी और न ही कोई बच्चा। जबकि आधिकारिक अभिलेखों में केंद्र का नियमित संचालन और उपस्थिति दर्ज दिखाई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। केंद्र अक्सर बंद रहता है और कभी-कभार ही खोला जाता है। इसके बावजूद बच्चों की उपस्थिति और पोषाहार वितरण जैसे रिकॉर्ड लगातार कागजों पर अपडेट किए जाते हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और बच्चों को पोषण आहार, प्रारंभिक शिक्षा और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि फर्जी हाजिरी बनाकर पोषाहार राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। केंद्रों पर ताला लटका रहने के बावजूद रिकॉर्ड में सब कुछ व्यवस्थित दिखाया जाना प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठाता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मामले की तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो इसका सीधा असर बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य पर पड़ेगा।

कामता मिश्रा गोलीकांड के शूटर ने न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के चर्चित कामता मिश्रा हार्डवेयर व्यवसायी गोलीकांड मामले में वांछित अभियुक्त ने पुलिस दबिश के कारण न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस के अनुसार हरसिद्धि थाना कांड संख्या-184/25 के आर्म्स एक्ट मामले में वांछित अभियुक्त साकेत यादव उर्फ साकेत सौरभ, पिता अमरेंद्र कुमार, निवासी चीलवनिया, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण ने लगातार पुलिस छापेमारी और दबिश के कारण माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। पुलिस का कहना है कि साकेत यादव कामता मिश्रा हार्डवेयर व्यवसायी गोलीकांड का मुख्य शूटर है और घटना के बाद से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। पुलिस अभिलेख के अनुसार अभियुक्त

के विरुद्ध हरसिद्धि थाना कांड संख्या-443/25 के तहत आर्म्स एक्ट एवं एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामला भी दर्ज है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में नेपाली शराब जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 71वीं वाहिनी एसएसबी मोतिहारी के बाह्य सीमा चौकी बड़हरवा के जवानों ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में प्रतिबंधित नेपाली शराब बरामद की। उक्त प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसएसबी ने आसूचना के आधार पर जितना पुलिस के साथ संयुक्त गश्ती अभियान चलाया। इसी दौरान करीब 2:50 बजे धेनुखी बलुआ गांव के बॉर्डर लाइन के पास नेपाल से भारत की ओर आ रही एक बाइक पर जवानों की नजर पड़ी। गश्ती दल को अपनी ओर बढ़ता देख बाइक सवार सीमा के नजदीक होने का फायदा उठाकर बाइक छोड़ नेपाल की ओर फरार हो गया। इसके बाद जवानों ने छोड़ी गई बाइक की तलाशी ली, जिसमें दो जूट की बोरियों में शराब छिपाकर रखी गई थी। जांच के दौरान नेपाली शराब कस्तूरी (निंबू फ्रेश) की 296 बोतलें (प्रत्येक 300 एमएल) तथा एक सुपर स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई। एसएसबी ने जब्ती सूची तैयार कर बरामद शराब एवं बाइक को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु जितना पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

डीएम ने डीसीएलआर कार्यालय अरेराज का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने गुरुवार को डीसीएलआर कार्यालय अरेराज का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा भी उपस्थित रहे। उक्त निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने कार्यालय में संधारित आगत एवं निर्गत पंजी का अवलोकन किया, जो नियमानुसार व्यवस्थित पाई गई। अन्य पंजियों की जांच में अनुक्रमणिका पंजी विधिवत संधारित मिली, जबकि सहायकों की कार्य पुस्तिका अद्यतन पाई गई। कैश बुक भी 31 मार्च तक अपडेट मिला। जिलाधिकारी ने विभिन्न संचिकाओं एवं अभिलेखों की गहन जांच की। जांच के दौरान सभी संचिकाएं संतोषप्रद पाई गईं। भूमि सुधार उप समाहर्ता, अरेराज न्यायालय के पारित आदेशों का भी अवलोकन किया गया, जिसमें सभी आदेश नियमानुसार पाए गए। प्रक्रियाधीन न्यायालयीय मामलों, जिनमें भूमि विवाद निराकरण वाद, दाखिल-खारिज अपील वाद एवं लगान निर्धारण से संबंधित अभिलेख शामिल हैं, की भी समीक्षा की गई। जांच में पाया गया कि लंबित मामले वर्ष 2025-26 के हैं। जिलाधिकारी ने इन मामलों का दो माह के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों की निरंतर मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध निष्पादन करने का भी निर्देश अधिकारियों को दिया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज सहित अनुमंडल स्तरीय अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जलवायु बदलाव से बढ़ी तबाही, सरकार और समाज को मिलकर उठाने होंगे ठोस कदम – अमर जेपी सेनानी

बीएनएम @ मोतिहारी

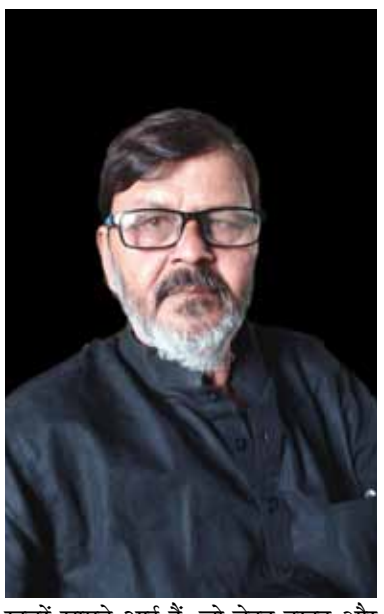

मोतिहारी। लगातार बदलते मौसम और हाल के दिनों में आई तेज आंधी-बारिश को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अमर जेपी सेनानी ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के मौसम विभाग और बिहार सरकार के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य में अगले 24 घंटों तक तेज आंधी और वर्षा की संभावना बनी हुई है, जिसका सीधा असर आम जनजीवन और खेती-बाड़ी पर पड़ रहा है। अमर जेपी सेनानी ने बताया कि 26 अप्रैल से शुरू हुई प्री-मानसून बारिश और चक्रवाती प्रभाव के कारण कोसी-सीमांचल सहित कई क्षेत्रों में भारी तबाही हुई है। मक्के की फसल के साथ-साथ आम और लीची के बागानों को व्यापक नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि 26 अप्रैल से 4 मई के बीच आंधी-तूफान, बिजली गिरने, पेड़ एवं दीवार गिरने और डूबने जैसी घटनाओं में पांच दर्जन से अधिक लोगों की मौत की खबरें सामने आई हैं, जो बेहद दुखद और चिंताजनक है। अमर जेपी सेनानी ने आगे कहा कि इस तरह के असामान्य मौसमीय बदलाव जलवायु परिवर्तन का संकेत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्व स्तर पर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और विकास की अंधी दौड़ ने पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ दिया है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसका असर केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि रोज कमाने-खाने वाले मजदूरों और फुटपाथी दुकानदारों के सामने भी जीविकोपार्जन का संकट खड़ा हो गया है। अमर जेपी सेनानी ने कहा कि अगर समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाला समय और भी भयावह हो सकता है। उन्होंने नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और जागरूक नागरिकों से मिलकर इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए आगे आने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि "प्रकृति हर व्यक्ति की जरूरत पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं," और लोगों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील होने का आग्रह किया।

आंधी-पानी बना कालः दीवार गिरने से मासूम की मौत, मां घायल

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के मेहसी प्रखंड अंतर्गत ओझिलपुर पंचायत के वार्ड संख्या-5 में बुधवार की रात आई तेज आंधी और बारिश ने एक परिवार की जिंदगी उजाड़ दी। पड़ोसी के घर की दीवार गिरने से झोपड़ी में सो रही 11 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी मां घायल हो गईं। मृत बच्ची की पहचान संजय कुमार यादव की पुत्री संगीता कुमारी (11) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रात करीब 9 बजे तेज आंधी-पानी के दौरान बगल के घर की दीवार अचानक झोपड़ी पर भरभराकर गिर गई। उस वक्त झोपड़ी में मां-बेटी सो रही थीं। हादसे में संगीता मलबे में दब गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां लतीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही मेहसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। घायल महिला का स्थानीय

स्तर पर इलाज कराया जा रहा है। स्थानीय मुखिया अजय यादव ने बताया कि तेज आंधी और बारिश के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

मेहसी की मुखिया रौशन आरा का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के मेहसी प्रखंड अंतर्गत परसौनी देवाजित पंचायत की मुखिया रौशन आरा का बुधवार की संध्या करीब 8:50 बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं और मुजफ्फरपुर के एक निजी क्लिनिक में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। मुखिया रौशन आरा के निधन की पुष्टि उनके पति इकबाल अहमद ने की। उन्होंने बताया कि गुरुवार की संध्या कब्रिस्तान में जनाजे की नमाज अदा करने के बाद उन्हें सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। रौशन आरा के निधन की खबर मिलते ही पंचायत क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं

स्थानीय लोगों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

09 मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, ट्रैफिक चालानों का होगा एकमुश्त निपटान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी के साथ नगर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह परिसर का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने ट्रैफिक चालान एकमुश्त निपटान शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 09 मई 2026, शनिवार को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 4:30 बजे तक व्यवहार न्यायालय परिसर एवं महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह प्रांगण में किया जाएगा। बिहार सरकार की मुफ्त निपटान योजना के अंतर्गत ट्रैफिक चालानों के एकमुश्त निपटारे की व्यवस्था की गई है। लोक अदालत में हेलमेट नहीं पहनने, सीट बेल्ट नहीं लगाने, रेड लाइट जंप करने, वाहन के कागजात में कमी सहित अन्य सामान्य ट्रैफिक उल्लंघनों से जुड़े मामलों का निपटारा किया जाएगा। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने, दुर्घटना, गंभीर अपराध, नॉन-कंपाउंडेबल एवं न्यायालय में विचाराधीन मामलों का भी निष्पादन किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित व्यक्तियों को निपटारे के लिए ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन रजिस्ट्रेशन, चालान रसीद एवं पहचान पत्र साथ लेकर आना अनिवार्य होगा।

संक्षिप्त समाचार

देसी कट्टा एवं चाकू के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। बेतिया के कालीबाग थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक अभियुक्त को देसी कट्टा एवं चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध हथियार के साथ विधाननगर वार्ड संख्या-04 स्थित किराये के मकान में रह रहा है तथा आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने 6 मई की रात विधाननगर वार्ड संख्या-04 स्थित किराये के मकान में छापेमारी की। पुलिस को देखते ही एक युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस बल की मदद से पकड़ लिया गया। पूछताछ में गिरफ्तार युवक की पहचान विशाल राव, पिता मुनेश्वर राव, निवासी अहीरवलिया, थाना चौतरवा, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कमरे से एक देसी कट्टा एवं एक डैगर (चाकू) बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में कालीबाग थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में कालीबाग थाना एवं तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

रामनगर भाजपा विधायक नंदकिशोर राम के मंत्री बनने पर हर्ष

बीएनएम @ बगहाः बगहा अनुमंडल के रामनगर (एससी) विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नंदकिशोर राम को बिहार सरकार में मंत्री बनाए जाने की चर्चा के बीच उनके समर्थकों और क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल है।पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताया है।53 वर्षीय नंदकिशोर राम वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार विधायक बने। उन्होंने रामनगर (एससी) सीट से राजद उम्मीदवार सुबोध पासवान को 35,680 वोटों के बड़े अंतर से हराया। इसके बाद वे चंपारण क्षेत्र में भाजपा के प्रमुख दलित चेहरों में शामिल हो गए। उनकी शैक्षिक योग्यता स्नातक है।नंदकिशोर राम ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1994 में बहुजन समाज पार्टी से की थी। वर्ष 1998 में उन्होंने बगहा लोकसभा सीट से चुनाव भी लड़ा था। इसके बाद वर्ष 2009 में वे जनता दल यूनाइटेड में शामिल हुए और करीब 14 वर्षों तक पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 2023 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।जदयू में लंबे समय तक उनके साथ काम कर चुके नेता राकेश सिंह और दयाशंकर सिंह ने उन्हें मंत्री बनाए जाने पर बधाई दी है। दोनों नेताओं ने कहा कि नंदकिशोर राम जमीनी स्तर से जुड़े हुए नेता हैं।

रेलवे ट्रैक के पास शव मिलने से सनसनी

बीएनएम @ सीतामढ़ी : सीतामढ़ी-रक्सौल रेलखंड पर रीगा थाना क्षेत्र के कपरौल गांव स्थित रेलवे ट्रैक के समीप एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही रीगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त कराने तथा घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

एनर्जी ड्रिंक्स के खिलाफ सांसद सुधाकर सिंह ने पीएम को लिखा पत्र

बीएनएम @ बक्सर : सांसद सुधाकर सिंह ने देश में एनर्जी ड्रिंक्स के बढ़ते इस्तेमाल और युवाओं के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभावों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एनर्जी ड्रिंक्स को "धीमा जहर" बताते हुए कहा कि "हमेशा एक्टिव" दिखने की होड़ युवाओं को गंभीर बीमारियों की ओर धकेल रही है। सांसद ने अपने पत्र में कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और आधुनिक जीवनशैली के दबाव के कारण युवा बड़ी संख्या में एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये पेय वास्तविक ऊर्जा नहीं देते, बल्कि अधिक मात्रा में मौजूद कैफीन के कारण केवल कुछ समय के लिए मस्तिष्क को उत्तेजित करते हैं। उन्होंने बाजार में बिक रहे महंगे और सस्ते दोनों तरह के उत्पादों पर चिंता जताई। सांसद ने रेड बुल और स्टिंगका जिक्र करते हुए कहा कि कीमत कम होने का मतलब सुरक्षित होना नहीं है। उनके अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवा सस्ते विकल्पों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं, लेकिन इनके दुष्प्रभाव समान रूप से खतरनाक हैं।

एलएनएमयू में "इंडियन नॉलेज सिस्टम और बौधयान" विषय पर सेमिनार 11 को

बीएनएम @ दरभंगा : ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर गणित विभाग एवं डॉ प्रभात दास फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में 11 मई 2026 को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। सेमिनार दिन के 12:30 बजे से आयोजित होगा। "इंडियन नॉलेज सिस्टम और बौधयान" विषयक इस सेमिनार में डॉ अविनाश कुमार मिश्रा मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखेंगे। इस आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय गणित विभागाध्यक्ष डॉ एस एन रॉय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें सेमिनार कराने का निर्णय लिया गया। डॉ रॉय ने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। बैठक में मुकेश कुमार झा, डॉ अयाज अहमद, डॉ अभिमन्यु कुमार, डॉ विपुल स्नेही, डॉ डी के यादव, डॉ नेहा वर्मा, विष्णु प्रभाकर एवं जनक पासवान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बहन के साथ सोई युवती की गोली मारकर हत्या

बीएनएम @ अररियाः फारबिसगंज के घोड़ाघाट वार्ड संख्या एक में गुरुवार सुबह आठ बजे घर में घुसकर कासिम नामक युवक ने एक युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। युवती चांदनी अपनी छोटी बहन फरहीन के साथ सोई हुई थी।इसी दौरान युवक घर में घुसकर गोली मार दिया।मृतका युवती चांदनी पिता मो.गयासुद्दीन की इसी माह में बकरीद के बाद शादी होने वाली थी।गोली लगने के बाद युवती को परिजनों और अगल बगल के लोगों के द्वारा आनन फानन में फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया,जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉ कृष्णमोहन ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,थानाध्यक्ष मनोज कुमार,सब इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार मिश्र,बबीता कुमारी,रेखा कुमारी पुलिस बलों के साथ अनुमंडलीय अस्पताल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। सूचना के बाद मौके ओर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,थानाध्यक्ष मनोज कुमार,सब इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार मिश्रा,बबीता कुमारी,रेखा कुमारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर हथियार को कब्जे में लिए और मामले की तफ्तीश में जुट गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवाया है।घटना की तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान को लेकर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है।आरोपित युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बीएनएम @ शेखपुराः जिले के महुली थाना क्षेत्र अंतर्गत भलुआ ग्राम से एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार वारंटी की पहचान भलुआ गांव निवासी स्व. बृहस्पति यादव के 49 वर्षीय पुत्र शंकर यादव के रूप में की गई है। महुली थाना के थानाध्यक्ष रामप्रवेश भारती ने बताया की आरोपित पर कोर्ट द्वारा एनबीडब्लू वारंट निर्गत किया गया था. इसके अलोक में पुलिस को गुप्त सुचना मिली कि आरोपी भलुआ गांव अपने घर आया हुआ है। पुलिस ने छापेमारी करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया।

नेपाल के लायंस डिस्ट्रिक्ट 325 एस की नई कार्यकारिणी गठित, नियुक्ति पत्र वितरित

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। नेपाल के लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 325 एस अंतर्गत बीरगंज, कलैया, जितपुर सिमरा एवं अमलेखगंज क्षेत्र के लिए सत्र 2026-27 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नव निर्वाचित जिलापाल एमजेएफ लायन राम बिहारी पाण्डेय ने मनोनीत पदाधिकारियों को एक समारोह के दौरान नियुक्ति पत्र प्रदान किया। समारोह में पाँच दशक से लायनवाद से जुड़े वरिष्ठ पूर्व जिलापाल डॉ. आर.पी. खेतान, पूर्व मल्टीपल काउंसिल चेयरमैन डॉ. रमेश अग्रवाल, पूर्व जिलापाल आर.के. सिंधी सहित कई वरिष्ठ लायंस सदस्य उपस्थित रहे। वहीं नव नियुक्त कैबिनेट सचिव बासु तिमिलसीना, कैबिनेट कोषाध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता, क्षेत्रीय प्रमुख सुनील गुप्ता, रीजन चेयरपर्सन डॉ. लक्ष्मी थापा, डॉ. मनोज उपाध्याय, बिमल जैन, भानुभक्त अधिकारी, डी.एम. लिम्बु एवं मेहर यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा जोन चेयरपर्सन नरोत्तम पाण्डेय, सुरेश रूंगटा, पिंकी शाह, मीणा टिबरेवाल, रवि बरनवाल, डॉ. नीरज सिंह, सुशीला शाह, अमरकांत झा, सूर्यजीत सिंह, उमेश गुप्ता, बिनोद खंडेलवाल, नारायणी देवी रायमाझी समेत अनेक लायंस एवं लियो सदस्यों की उपस्थिति रही। नव निर्वाचित जिलापाल लायन राम बिहारी पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सदस्य संख्या बढ़ाने, मानव सेवा कार्यों को गति देने तथा सामाजिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि नई कार्यकारिणी का कार्यकाल 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर 30 जून 2027 तक रहेगा। बैठक में जुलाई माह में हांगकांग में आयोजित होने वाले लायंस के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता को लेकर भी जानकारी साझा की गई। आजीवन सदस्य लायन राधेश्याम खेतान ने भी नव नियुक्त टीम को शुभकामनाएं दीं। लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के अध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ, सचिव मोहम्मद निजामुद्दीन तथा कोषाध्यक्ष लायन अमित कुमार के साथ जोनल चेयरपर्सन लायन शंभु प्रसाद चौरसिया एवं क्लब सदस्यों ने नई डिस्ट्रिक्ट कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि लायनवाद के माध्यम से भारत-नेपाल संबंधों को नई ऊंचाई मिलेगी।

वीसी से अंचलों के कामकाज की रोज होगी समीक्षा

बीएनएम @ पटना

» विभाग ने शुरू की नई मॉनिटरिंग व्यवस्था
» दोपहर 3:30 बजे से 4:00 बजे तक समीक्षा बैठक

पटना : बिहार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अंचल स्तर पर कार्यों में तेजी और पारदर्शिता लाने के लिए नई मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू की है। अब विभागीय सचिव जय सिंह अथवा उनके द्वारा अधिकृत वरीय अधिकारी प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचलों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। विभाग के निर्देश के अनुसार हर दिन दोपहर 3:30 बजे से 4:00 बजे तक समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें प्रतिदिन राज्य के दो अंचलों का चयन कर वहां चल रहे कार्यों की प्रगति की विस्तृत पड़ताल होगी। बैठक में संबंधित अंचल अधिकारी और राजस्व अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। समीक्षा के दौरान ऑनलाइन दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, अभियान बसेरा, सरकारी भूमि सत्यापन, राजस्व महा-अभियान, लोक भूमि अतिक्रमण और लोक शिकायत जैसे मामलों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विभाग का उद्देश्य लंबित मामलों का तेजी से निष्पादन कर आम लोगों को भूमि संबंधी सेवाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना है। निर्देश में कहा गया है कि विभागीय आईटी मैनेजर प्रतिदिन सुबह 10 बजे चयनित अंचलों की सूचना और वीसी लिंक संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराएंगे। समीक्षा बैठक विभागीय वीसी कक्ष अथवा सचिव कक्ष से संचालित होगी। विभाग ने सभी समाहर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे अपने स्तर पर संबंधित अधिकारियों की नियमित भागीदारी सुनिश्चित कराएं, ताकि अंचलों में जवाबदेही बढ़े और कार्य निष्पादन की गति तेज हो सके।

हरसिद्धिः पास्को एक्ट व स्पिरिट कांड के फरार अभियुक्तों के घर पुलिस ने चस्पाया इश्तिहार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। पुलिस ने फरार अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए पास्को एक्ट एवं स्पिरिट तस्करी मामले के दो आरोपितों के घर न्यायालय के आदेश पर इश्तिहार चस्पाया है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को जल्द आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 353/19 में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 की धारा 30(ए) के तहत दर्ज स्पिरिट तस्करी मामले में अभियुक्त कृष्ण सिंह, पिता स्वर्गीय जगत सिंह, निवासी सरिसवा, लंबे समय से फरार चल रहा है। वहीं हरसिद्धि थाना कांड संख्या 812/25 में पॉक्सो एक्ट के आरोपी मेराज आलम, पिता रजा हुसैन, निवासी मठलोहियार, भी लगातार पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश के बाद दोनों अभियुक्तों के घर विधिवत इश्तिहार चस्पाया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने माइकिंग कर अभियुक्तों को न्यायालय अथवा थाने में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी गई कि निर्धारित समय में सरेंडर नहीं करने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि फरार अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और किसी भी हाल में उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इश्तिहार चस्पाने की कार्रवाई में एसआई अनिल सिंह, एसआई नीलम कुमारी सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

एसडीओ अंजली शर्मा ने सहयोग शिविरों का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र में चल रहे सहयोग शिविरों का अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अंजली शर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत सरकार भवन सोनबरसा एवं पंचायत भवन पानापुर रंजिता में लगाए गए शिविरों की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मियों को आम लोगों की समस्याओं का त्वरित और नियमानुकूल निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार ने बताया कि 7 अप्रैल 2026 को आयोजित निरीक्षण कार्यक्रम में उप सचिव राहुल कुमार सिन्हा, व अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शिविर में पहुंचे लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित कर्मियों को समाधान में तेजी लाने का निर्देश दिया। एसडीओ अंजली शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा लगाए जा रहे सहयोग शिविरों का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर शीघ्र समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविर में आने वाले लोगों के साथ शालीन व्यवहार करें तथा उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनकर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े कर्मियों की उपस्थिति, अभिलेखों के संधारण एवं आवेदन निष्पादन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने शिविर व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

श्री रामेश्वर उत्क्रमित उच्च विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक दिवस पर विद्यालय में दौड़ प्रतियोगिता

» विजेता छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के श्री रामेश्वर उत्क्रमित उच्च विद्यालय 10+2 सोनबरसा में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक दिवस के अवसर पर वर्ग 9 से 12 तक के छात्र- छात्राओं के बीच दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे आयोजन के दौरान छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिसर में आयोजित 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में बुलेट कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं ओम बाबू कुमार द्वितीय तथा नीरज और पवन कुमार संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। छात्रा वर्ग में निकहत ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि अंजली कुमारी द्वितीय एवं रहिमा खातून और अंजली संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के समापन पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार प्रसाद ने विजेता छात्र-छात्राओं को दो-दो कलम देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बीच खेल भावना का विकास होना बेहद जरूरी है। खेल गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के अंदर छिपी प्रतिभा और खिलाड़ी बनने की क्षमता को पहचानने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम को सफल बनाने में खेल प्रभारी समरीन शमीम, वर्ग शिक्षिका रिंकी कुमारी, राज कुमारी एवं शिक्षक समदीप कुमार सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। छात्रों ने भी इस तरह की प्रतियोगिताओं को प्रखंड स्तर पर आयोजित कराने की मांग की, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिल सके।

22 दिव्यांजनों के बीच ट्राई साइकिल वितरित

बीएनएम @ बगहा

बगहा : गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड मुख्यालय परिसर में गुरुवार को बिहार सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत दिव्यांगजनों के बीच ट्राई साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पहले चरण में 42 में से 22 दिव्यांग लाभुकों को ट्राई साइकिल प्रदान की गई। शेष लाभुकों को आने वाले दिनों में क्रमवार ट्राई साइकिल वितरित की जाएगी। कार्यक्रम मधुबनी प्रखंड प्रमुख विजया सिंह एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान प्रखंड कर्मी एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। प्रखंड को कुल 42 ट्राई साइकिल प्राप्त हुई हैं, जिनका वितरण पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। अधिक गंभीर रूप से

दिव्यांग लाभुकों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि उन्हें पहले लाभ मिल सके। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि सभी पात्र दिव्यांगजनों को इसकी सूचना दे दी गई है।

पटना में टर्बुलेंस के बीच फंसी इंडिगो फ्लाइट

बीएनएम @ पटना

पटनाः पटना आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E6497 गुरुवार को खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गई। लैंडिंग से ठीक पहले विमान जबरदस्त टर्बुलेंस की चपेट में आ गया, जिससे विमान के भीतर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्रियों ने बताया कि तेज झटकों के कारण कई लोग अपनी सीटों से उछल पड़े और विमान में चीख-पुकार मच गई। इस मुश्किल स्थिति में विमान की कमान संभाल रहे केंद्रीय मंत्री और अनुभवी पायलट राजीव प्रताप रूडी ने सूझबूझ दिखाते हुए बड़ा फैसला लिया। पटना एयरपोर्ट पर जोखिम भरी लैंडिंग करने के बजाय उन्होंने विमान को तुरंत लखनऊ डायवर्ट कर दिया। बाद में विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। सुरक्षित लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। बताया जा रहा है कि विमान के रुकते ही यात्रियों ने तालियां बजाकर पायलट का धन्यवाद किया। राजीव प्रताप रूडी ने भी कॉकपिट से बाहर आकर मुस्कुराते हुए कहा, "अब आप ताली बजा सकते हैं, क्योंकि आप सुरक्षित उतर गए हैं।" उनके इस अंदाज ने डरे हुए यात्रियों का मनोबल बढ़ा दिया। राजीव प्रताप रूडी राजनीति के साथ-साथ विमानन क्षेत्र में भी अपनी खास पहचान रखते हैं। अटल विहारी वाजपेयी सरकार में वह नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके हैं। वर्ष 2015 में उन्होंने बेंगलुरु एयर शो में सुखोई फाइटर जेट उड़ाकर भी चर्चा बटोरी थी। यात्रियों ने इस घटना के बाद उनकी सूझबूझ और अनुभव की जमकर सराहना की।

कस्तूरबा विद्यालय में जलजमाव का एसडीएम ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ शेखपुरा

शेखपुरा। शेखोपुरसराय प्रखंड अंतर्गत अंबारी पंचायत के सादिकपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में लंबे समय से जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए गुरुवार को को अनुमंडल पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने विद्यालय परिसर एवं संबंधित क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई कि जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण विद्यालय परिसर में पानी जमा हो जाता है। अनुमंडल पदाधिकारी ने स्थानीय किसानों के साथ वार्ता भी की और उन्होंने किसानों को जल निकासी के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए प्रेरित किया । एसडीएम ने ग्रामीणों और किसानों को आश्वस्त किया कि प्रशासन इस समस्या का तत्काल और तकनीकी निदान निकालने हेतु प्रतिबद्ध है, ताकि न तो विद्यालय को परेशानी हो और न ही किसानों की खेती पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) प्रखंड विकास पदाधिकारी, शेखोपुरसराय अंचल अधिकारी, शेखोपुरसराय थाना अध्यक्ष आदि उपस्थित थें। अधिकारियों की टीम ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ भी बैठक की और उनसे सहयोग की अपील की। कस्तूरबा विद्यालय में जलजमाव की समस्या को दूर करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित कर दिया गया है और स्थानीय लोगों के सहयोग से जल्द ही इसका समाधान करा लिया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी के इस पहल से स्थानीय नागरिकों और विद्यालय परिवार में एक नई उम्मीद जगी है कि वर्षों से लंबित इस समस्या का अब स्थाई समाधान संभव हो सकेगा।

बिहारः सत्ता बदली, सत्ताधारी बदले, नहीं बदले सियासतदान के चेहरे

राकेश कुमार

बिहार की राजनीति एक बार फिर करवट ले चुकी है। सत्ता के शीर्ष पर बदलाव हुआ है। लंबे समय तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब सत्ता से बाहर हैं और उनकी जगह भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर नई राजनीतिक पारी की शुरुआत की है। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को भाजपा और एनडीए समर्थकों ने "नए बिहार" की शुरुआत बताया, लेकिन यदि मंत्रिमंडल के चेहरों और राजनीतिक समीकरणों पर गौर किया जाए तो तस्वीर बहुत अलग नजर आती है। सत्ता बदली है, कुर्सी बदली है, लेकिन सियासत के चेहरे लगभग वही हैं जो वर्षों से बिहार की राजनीति में प्रभावी रहे हैं। बिहार की राजनीति में यह पहली बार नहीं है जब सत्ता परिवर्तन को बड़े राजनीतिक बदलाव के रूप में प्रस्तुत किया गया हो। राज्य की राजनीति में पिछले दो दशकों से एक ही चेहरों के इर्द-गिर्द सत्ता घूमती रही है। कभी गठबंधन बदले, कभी दल बदले, कभी समर्थन बदला, लेकिन सत्ता के गलियारों में सक्रिय नेता वही रहे। यही कारण है कि आम जनता के बीच यह चर्चा तेज है कि क्या वास्तव में बिहार में राजनीतिक परिवर्तन हुआ है, या सिर्फ कुर्सियों की अदला-बदली हुई है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए सरकार लंबे समय तक चली। भाजपा और जदयू के बीच कई बार रिश्तों में खटास आई, गठबंधन टूटा और फिर जुड़ा, लेकिन सत्ता की धुरी अधिकतर समय जदयू और नीतीश कुमार के हाथों में रही। भाजपा के पास कई बार अधिक विधायक होने के बावजूद मुख्यमंत्री की कुर्सी जदयू के पास रही। यह भाजपा की राजनीतिक रणनीति भी थी, क्योंकि पार्टी बिहार में सामाजिक समीकरणों और जातीय राजनीति को समझते हुए गठबंधन धर्म निभाने की कोशिश करती रही। लेकिन समय के साथ भाजपा ने बिहार में अपना स्वतंत्र राजनीतिक आधार मजबूत किया और अब पहली बार उसने अपने नेतृत्व में सरकार का चेहरा प्रस्तुत किया है। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी ने उन्हें पिछड़े वर्ग और खासकर कुशवाहा समाज के बड़े चेहरे के रूप में आगे बढ़ाया है। भाजपा यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि अब बिहार में उसका नेतृत्व केवल सहयोगी दलों पर निर्भर नहीं रहेगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ मुख्यमंत्री बदलने से शासन की दिशा और व्यवस्था बदल जाएगी? नई सरकार के मंत्रिमंडल पर नजर डालें तो अधिकतर मंत्री वही हैं जो पहले भी अलग-अलग सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। कई चेहरे ऐसे हैं जो वर्षों से सत्ता का हिस्सा बने हुए हैं। कुछ नेता राजद सरकार में भी मंत्री रहे, फिर जदयू-भाजपा सरकार में भी शामिल रहे और अब नई सरकार में भी महत्वपूर्ण पदों पर हैं। यही बिहार की राजनीति की सबसे बड़ी विडंबना है कि यहां विचारधारा से अधिक महत्व सत्ता और समीकरणों का हो गया है। बिहार की राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता लगातार कमजोर होती गई है। पहले राजनीतिक दलों के बीच स्पष्ट वैचारिक अंतर दिखाई देता था, लेकिन अब अधिकांश नेता परिस्थितियों और अवसरों के अनुसार पाला बदलते नजर आते हैं। जनता भी यह समझ चुकी है कि चुनावी मंचों पर एक-दूसरे पर तीखे हमले करने वाले नेता सत्ता के लिए कभी भी साथ आ सकते हैं। यही कारण है कि अब राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का असर पहले जैसा नहीं रह गया है। सम्राट चौधरी की सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह खुद को केवल "चेहरा परिवर्तन" तक सीमित न रखे, बल्कि प्रशासनिक और विकासात्मक स्तर पर भी बदलाव दिखाए। बिहार आज भी बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं और औद्योगिक विकास जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। सत्ता बदलने के बाद जनता की अपेक्षा रहती है कि नई सरकार नई सोच और नई कार्यशैली लेकर आएगी। लेकिन यदि वही पुराने चेहरे और वही पुरानी राजनीतिक संस्कृति जारी रही तो बदलाव का दावा केवल राजनीतिक प्रचार बनकर रह जाएगा। बिहार में युवाओं की सबसे बड़ी चिंता रोजगार है। हर साल लाखों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन नियुक्तियों में देरी, पेपर लीक और सीमित अवसरों के कारण निराशा बढ़ती जा रही है। नई सरकार से युवाओं को उम्मीद है कि वह रोजगार सृजन और उद्योग निवेश पर ठोस कदम उठाएगी। लेकिन इसके लिए सिर्फ मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक संतुलन पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि नीति स्तर पर बड़े निर्णय लेने होंगे। कृषि प्रधान राज्य होने के बावजूद बिहार के किसानों की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है। बाढ़ और सुखाड़ की समस्या हर साल किसानों की कमर तोड़ देती है। न्यूनतम समर्थन मूल्य, सिंचाई और बाजार व्यवस्था जैसी समस्याएं आज भी जस की तस हैं। नई सरकार यदि वास्तव में बदलाव का दावा करती है तो उसे किसानों के लिए स्थायी समाधान निकालने होंगे। बिहार की शिक्षा व्यवस्था भी लगातार सवालों के घेरे में रही है। सरकारी स्कूलों की स्थिति, शिक्षकों की नियुक्ति, विश्वविद्यालयों में सत्र विलंब और प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं ने छात्रों का भविष्य प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन के बाद शिक्षा सुधार को प्राथमिकता दिए बिना विकास की बात अधूरी मानी जाएगी। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो भाजपा ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश की है। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय आधार पर प्रभावित रही है। हर दल अपने-अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने में लगा रहता है। भाजपा भी अब बिहार में केवल शहरी और सवर्ण वोट बैंक की पार्टी की छवि से बाहर निकलकर व्यापक सामाजिक गठजोड़ तैयार करना चाहती है। सम्राट चौधरी का चयन उसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि विपक्ष इस बदलाव को केवल "चेहरा परिवर्तन" बता रहा है। राजद और कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा ने बिहार की जनता को नया नेतृत्व देने के बजाय पुराने नेताओं को ही नई पैकेजिंग में प्रस्तुत किया है। विपक्ष का कहना है कि सरकार बदलने से तब तक कोई फर्क नहीं पड़ेगा जब तक नीतियों और कार्यशैली में बदलाव नहीं होगा। जनता के बीच भी यही सवाल चर्चा में है कि क्या बिहार की राजनीति कभी नए चेहरों और नई सोच को अवसर दे पाएगी? वर्षों से वही नेता सत्ता और विपक्ष के बीच घूमते रहते हैं। चुनाव बदलते हैं, गठबंधन बदलते हैं, लेकिन राजनीतिक व्यवस्था में नई पीढ़ी की भागीदारी सीमित ही रहती है। यही कारण है कि राजनीति के प्रति युवाओं में निराशा भी बढ़ रही है। गांधी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह भले ही भव्य रहा हो, लेकिन बिहार की असली परीक्षा अब शुरू होती है। जनता केवल भाषण और नारों से संतुष्ट नहीं होगी। उसे सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर परिणाम चाहिए। बिहार की जनता ने वर्षों तक राजनीतिक प्रयोग देखे हैं। अब वह ठोस बदलाव चाहती है। सम्राट चौधरी के सामने यह अवसर भी है और चुनौती भी कि वे खुद को केवल राजनीतिक समझौते के मुख्यमंत्री के रूप में सीमित न रखें, बल्कि प्रशासनिक नेतृत्व की नई पहचान बनाएं। यदि उनकी सरकार पुराने ढर्रे पर चलती रही तो जनता के बीच यह धारणा और मजबूत होगी कि बिहार में सत्ता तो बदलती है, लेकिन व्यवस्था नहीं। बिहार की राजनीति आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां जनता जागरूक है, युवा सवाल पूछ रहे हैं और सोशल मीडिया के दौर में राजनीतिक दावों की तुरंत समीक्षा हो जाती है। ऐसे में नई सरकार को केवल राजनीतिक समीकरणों से नहीं, बल्कि अपने काम से खुद को साबित करना होगा। आखिरकार लोकतंत्र में सबसे बड़ा निर्णायक जनता होती है। जनता कुछ समय तक चेहरों के बदलाव से प्रभावित हो सकती है, लेकिन लंबे समय तक वही सरकार टिकती है जो लोगों की जिंदगी में वास्तविक बदलाव लाए। बिहार में सत्ता बदल चुकी है, सत्ताधारी बदल चुके हैं, लेकिन अब देखना यह होगा कि क्या राजनीति की कार्यशैली भी बदलेगी या फिर इतिहास खुद को दोहराता रहेगा।

(लेखक- बॉर्डर न्यूज मीरर अखबार में उप संपादक हैं।)

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

(विश्व रेडक्रॉस दिवस (8 मई) पर विशेष)

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के

चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए नए उत्साह से भरा रहने वाला है। किसी कंपनी के शेयर खरीदने के लिए आप किसी एक्सपर्ट की सलाह ले सकते है। बहुत पुरानी बात आपको पता चल सकती, जिसको लेकर आप सरप्राइज होंगे। आप कोई कीमती सामान खरीदेंगे, आपको अच्छा ऑफर भी मिल सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी।

वृष राशिः आज का दिन आपका खुशहाल रहने वाला है। आज आपका मनोबल बढ़ेगा। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोग आज प्रॉपर्टी डीलर्स से मुलाकात करेंगे और कोई बढ़िया डील फाइनल करेंगे। किसी प्रोजेक्ट में उलझे विद्यार्थी टीचर्स से आज अपने डाउट क्लियर करेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिलेगा,जिसको आप किसी जरूरी काम में लगायेंगे। प्राइवेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता हैं, आपका बढ़ेगा। आज आपके फैसले में आपके भाईयों का सहयोग मिलेगा, जिससे लोगों में आपकी छवि अच्छी बनेगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कर्क राशि : आज के दिन आपको बहु प्रतीक्षित परिणाम प्राप्त होंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ होने की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। घर के अन्य सदस्यों के साथ भी आपकी अच्छी बॉन्डिंग बनेगी। व्यापारी वर्ग को कुछ नए आर्डर मिलेंगे,काम बढ़िया चलेगा, जिससे अधिक लाभ होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है। आज आपको बेकार की उलझन में पड़ने से बचने की जरूरत है। जिंदगी में चल रही भागदौड़ के बीच आज आपको अपने लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। बाहर का तले भुने खाने से परहेज करें, सेहत खराब हो सकती है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। आज आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आएगा ,जिनसे मिलकर आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। भाई, बहनों का सहयोग मिलेगा। किसी दूर के रिश्तेदार के द्वारा शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आज आप कोई कम्प्यूटर कोर्स सीखने का मन बनायेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे। माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार से मिलने का मौका मिलेगा। अगर आपने पहले निवेश किया हुआ है तो उसका भी पूरा लाभ मिलेगा। गैर जरूरी खर्चों पर काबू रखें, फ्यूचर की किसी योजना के लिए बजट का ध्यान रखेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। जीवनसाथी से किसी काम को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आप अपने मित्रों के साथ किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। आपके बिजनेस में पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। अपनी ऊर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलीयत पर भरोसा करें।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो आपके काम जल्दी पूरे होंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार व्यक्ति की मदद से सुलझा लेंगे। आज आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने बहुत जरूरत है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। रूटीन मे डेली मॉर्निंग वाक करने की योजना बनाएंगे जिससे आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता अवश्य करेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज परिवार के साथ किसी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का सौभाग्य मिलेगा। किसी बचपन के मित्र से बहुत दिनों बाद मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आपको खुशी होगी। यदि आपने बचत संबंधी योजनाओं पर पूरा ध्यान लगाया तो आप भविष्य के लिए कुछ धन संचय करने में कामयाब रहेंगे।किसी मामले को शांति से सुलझाने की कोशिश करें।

मीन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में कार्यरत लोगों को तरक्की मिलने से उन्हें काफी खुशी होगी ।अपने जीवनसाथी का नया काम शुरू करवाएंगे साथ ही आज कुछ बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। घर में नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी मिलेगी। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी।

चुनावी फ़ैसला : विपक्ष की कमज़ोरी क्या है

प्रो. प्रदीप माथुर

हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में, विशेषकर मोदी युग के आगमन के बाद, अब राजनीति चुनाव-दर-चुनाव चलने लगी है। इस सप्ताह घोषित पाँच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों की चर्चा अभी पूरी तरह थमी भी नहीं है कि अगले वर्ष सात राज्यों में होने वाले चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनाव की बातें शुरू हो चुकी हैं। लेकिन हालिया चुनाव हों या अगले वर्ष के चुनाव, एक प्रश्न हर ओर पूछा जा रहा है—2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद से विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों का इतना निराशाजनक प्रदर्शन क्यों हो रहा है? चुनावों की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं और पश्चिम बंगाल में तो पूरा चुनाव अभियान ही निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर केंद्रित रहा। इसमें बहुत कम संदेह है कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह शासन के दौरान न्यायपालिका, मीडिया तथा निर्वाचन आयोग और राज्यपाल कार्यालय जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर भारी दबाव रहा है, जिससे उनकी स्वतंत्र कार्यक्षमता प्रभावित हुई है। फिर भी चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर टिप्पणी करना कठिन है, लेकिन विपक्ष की खराब स्थिति का पूरा दोष केवल चुनावी धांधली या हेरफेर पर डाल देना उचित नहीं होगा। इसके पीछे कई अन्य कारण भी हैं। विपक्ष द्वारा इस स्थिति की लगातार आलोचना कुछ हद तक उचित अवश्य है, लेकिन केवल इतना भर किसी मजबूत और गहरे जमे हुए भाजपा शासन को सत्ता से हटाने के लिए आवश्यक जनसमर्थन जुटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। यही कारण है कि पाँच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद राजनीतिक हलकों में यह सवाल उठ रहा है कि जब ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में पूरी ताकत लगाने के बावजूद भाजपा को रोक नहीं सकीं, तो अन्य राज्यों में विपक्ष भाजपा के रथ को कैसे रोकेगा? हार से अधिक, सीटों के अंतर ने इन आशंकाओं को और मजबूत किया है। यद्यपि विपक्षी नेता खुलकर यह बात न कहें, लेकिन उनमें से अनेक स्वयं भी निकट भविष्य में भाजपा को सत्ता से हटाने की अपनी क्षमता को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। दरअसल, विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी आत्मविश्वास की कमी है। अनेक विपक्षी नेताओं में पराजयवादी सोच और नियतिवादी मानसिकता विकसित हो चुकी है। सत्ता के लंबे सुख ने उनमें संघर्ष की भावना को कमजोर कर दिया है। गैर-कांग्रेसी विपक्षी नेता यह समझने में असफल रहे हैं कि जोड़-तोड़ और समझौतों के सहारे सत्ता में बने रहने का दौर समाप्त हो चुका है। भाजपा व्यवस्थित ढंग से ऐसे दलों का इस्तेमाल करती रही है और बाद में उन्हें राजनीतिक हाशिये पर धकेल देती है। मायावती की बसपा, नवीन पटनायक की बीजद, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और नीतीश कुमार की जदयू इसके उदाहरण हैं। आत्मविश्वास और संघर्षशीलता की कमी के अलावा विपक्ष में दो और गंभीर कमजोरियाँ हैं। पहली, बदलती राजनीतिक वास्तविकताओं का तार्किक और निष्पक्ष आकलन करने तथा आवश्यक सुधार करने की क्षमता का अभाव; और दूसरी, विपरीत परिस्थितियों में भी वैचारिक प्रतिबद्धता की कमी। यही दोनों कारक भाजपा-आरएसएस शासन को चुनौती देने की विपक्ष की क्षमता के सबसे बड़े अवरोध हैं। काफी प्रयासों और बड़े प्रचार के बाद बना विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती क्यों नहीं बन पाया, यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है। यह और भी आश्चर्यजनक है कि मोदी सरकार की अनेक मोर्चों पर विफलताओं के बावजूद विपक्ष ऐसा कोई मजबूत नैरेटिव तैयार नहीं कर सका, जो भाजपा शासन को प्रभावी ढंग से चुनौती दे सके। स्पष्ट है कि विपक्ष को अपनी स्थिति और संभावनाओं का आकलन करने के लिए गंभीर SWOT विश्लेषण की आवश्यकता है। उसे गहन आत्मविश्लेषण करना होगा कि आखिर उससे गलती कहाँ हो रही है। विपक्ष को दो मूलभूत बातें सीखनी होंगी। पहली, जब मुकाबला आरएसएस-भाजपा जैसे शक्तिशाली और संगठित प्रतिद्वंद्वी से हो, तब केवल चुनावी लाभ के लिए एकत्रित स्वार्थी दलों का ढीला-ढाला गठबंधन सफल नहीं हो सकता। दूसरी, राजनीतिक विचारधारा में विश्वास सुविधा का नहीं बल्कि दृढ़ आस्था का विषय होता है। विपक्षी गठबंधन का दावा भाजपा-आरएसएस की सांप्रदायिक और विभाजनकारी राजनीति का विरोध करना है, जो हिंदुत्व की उस राजनीति का समर्थन करता है जिसे उदार और समावेशी हिंदू आस्था का तालिबानी संस्करण कहा जा सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि इस गठबंधन में शामिल अनेक नेताओं के भाजपा और उसकी अल्पसंख्यक-विरोधी राजनीति से पुराने और घनिष्ठ संबंध रहे हैं। एक समय तो इंडिया गठबंधन की कमान लगभग नीतीश कुमार को सौंपे जाने की स्थिति बन गई थी, जो मोदी की भाजपा के सहारे राजनीति कर रहे थे और लालू यादव के साथ मिलकर सत्ता में आए थे। बाद में बिहार में जो कुछ हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन आरएसएस के गुप्त समर्थन से चलाया गया था। अरविंद केजरीवाल, जिन्हें छात्र जीवन में एबीवीपी से जुड़ा माना जाता है, ने अपने संगठन से प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव जैसे सभी आरएसएस-विरोधी तत्वों को बाहर कर दिया। यह भी सर्वविदित है कि आम आदमी पार्टी ने गोवा, गुजरात, हरियाणा और पंजाब में कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुँचाया, जिससे भाजपा को लाभ मिला। बाद में जब केजरीवाल की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ बढ़ीं, तब उनका मोदी से टकराव हुआ और वे भाजपा-विरोधी बन गए। अब ममता बनर्जी की राजनीतिक पृष्ठभूमि पर भी नजर डालें, जिन्हें मोदी सरकार की सबसे दृढ़ विरोधी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने 1997 में कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई और पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रवेश को आसान बनाया। 1999 में वे भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हुईं और रेल मंत्री बनीं। 2001 में बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में ममता ने भाजपा को अपना "स्वाभाविक सहयोगी" बताया था। 2003 में वे पुनः एनडीए सरकार में शामिल हुईं और आरएसएस के मुखपत्र पांचजन्य ने उन्हें "बंगाल की दुर्गा" कहा। भाजपा नेताओं ने भी बार-बार यही भावना व्यक्त की। यहाँ तक कि जुलाई 2022 में तृणमूल कांग्रेस ने उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा का समर्थन करने से इनकार कर दिया। वास्तव में इंडिया गठबंधन में रहते हुए भी उन्होंने उसे कमजोर करने का काम किया।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रॉयल्स की कप्तानी : संजय मांजरेकर

एजेंसी, मुम्बई

अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रॉयल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं।

मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों

में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है। मांजरेकर ने आगे यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को बेकार ही ये जिम्मेदारी दी।

साथ ही कहा, मेरा मतलब है, संजू सैमसन ने कुछ सालों तक उनके लिए कप्तानी की और फिर उन्हें हटा दिया गया और रियान ने उनकी जगह ले ली। मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ? लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट के नज़रिए से, इसका कोई मतलब बनता है। मांजरेकर ने साफ शब्दों में अपनी असहमति जताते हुए कहा, यह कहना थोड़ा कठोर है, लेकिन उसे इनाम के तौर पर बहुत ज़्यादा मिल गया है। उन इनामों के लिए सच में कड़ी मेहनत नहीं की। इसलिए यह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प मामला है।

रियान 2019 से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं। आईपीएल 2026 के मौजूदा सीज़न में, उन्होंने 10 पारियों में 207 रन बनाए हैं। इसमें हाल ही में खेली गई एक धमाकेदार पारी भी शामिल है, जिसमें उन्होंने 50 गेंदों में 90 रन बनाए थे। हालांकि, उनकी फॉर्म लगातार उतार-चढ़ाव भरी रही है।

मांजरेकर ने पराग के आत्मविश्वास की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, रियान पराग के बारे में जो बात सबसे ज़्यादा ध्यान खींचती है, वह है उनका ज़बरदस्त सेल्फ-कॉन्फिडेंस। जब वह अच्छा नहीं कर रहे थे, तब भी अगर आप उन्हें फील्ड में देखें, तो वह किसी प्रकार के दबाव में नहीं दिखते।

सबालेंका बोली- खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

एजेंसी, रोम

विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं। सबालेंका

ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है। गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है। हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

एजेंसी, नई दिल्ली

बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। अब तक सीएसके को जीत मिली हैं। उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है। सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है। वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की

पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेऑफ की दौड़ में भी बनाये रखा है। इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया। अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं। सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है।

संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है। गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं।

आईपीएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सनराइजर्स, पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर खिसकी

एजेंसी, हैदराबाद : पंजाब किंग्स (पीबीसकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में बदलाव आया है और शुरुआत से ही शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स अब दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं सनराइजर्स पहले नंबर पर आ गयी है। पंजाब किंग्स को सनराइजर्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण उसके हाथ से नंबर एक स्थान निकल गया। वहीं इस मैच के परिणाम से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर भी प्रभाव पड़ा है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। सनराइजर्स अब अंक तालिका में शीर्ष पर है, जिसने 11 मैचों में 7 जीत के साथ कुल 14 अंक हो गये हैं। इतने अंक फिलहाल अन्य किसी टीम के नहीं हैं। वहीं, लगातार तीन मैचों में हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स 10 मैचों में 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी, जो इस मैच से पहले दूसरे पायदान पर थी, अब 9 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। बेहतर नेट रन रेट के कारण वह चौथे स्थान पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से आगे है, जिसने 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हासिल किये हैं।

दिल्ली कैपिल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं

बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में

सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। उसे प्लेऑफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16 अंकों वाली टीम को प्लेऑफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर, अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा।

बिजनेस

मांडविया ने श्रमिकों के लिए शुरू की राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को नई दिल्ली के बसईदारापुर में स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से श्रम संहिता के तहत आने वाले श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का शुभारंभ किया। इसके जरिए देशभर में 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच की जाएगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस अवसर को "श्रम शक्ति" के सम्मान को समर्पित दिन बताते हुए कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. मनसुख मांडविया ने जोर देते हुए कहा कि सरकार ने पिछले 12 वर्षों में रोजगार सृजन और कल्याणकारी उपायों के माध्यम से "श्रम शक्ति" और "युवा शक्ति"

को सशक्त बनाने के लिए काम किया है। मांडविया ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जो एक दशक पहले लगभग 30 करोड़ लोगों से बढ़कर आज लगभग 94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है। इस तरह सामाजिक सुरक्षा कवरेज 19 फीसदी से बढ़कर 64 फीसदी हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि ईएसआईसी के दायरे में आने वाले लाभार्थियों की संख्या एक दशक पहले लगभग 7 करोड़ थी, जो आज बढ़कर लगभग 15 करोड़ हो गई है। श्रमिकों के कल्याण के लिए एक बड़ी पहल की घोषणा करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि अब देशभर में 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए प्रतिवर्ष निःशुल्क स्वास्थ्य जांच आयोजित की जाएगी।

पीएमईजीपी से 36.33 लाख लोगों के रोजगार का सृजन : सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने 15वें वित्त आयोग के चक्र वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के दौरान चार लाख से अधिक सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना में सहायता की। साथ ही लगभग 36.33 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए हैं, जिसे खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से लागू किया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में यह जानकारी दी है। आधिकारिक बयान के अनुसार इस योजना ने संभावित उद्यमियों को बैंक ऋणों पर 'मार्जिन मनी' सब्सिडी के माध्यम से गैर-कृषि क्षेत्र में नए सूक्ष्म-उद्यम स्थापित करने में सहायता प्रदान की, जिसका मुख्य ज़ोर स्वरोज़गार सृजन और ग्रामीण आजीविका पर था। मंत्रालय ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल (वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26) के दौरान, पीएमईजीपी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जो देश के सूक्ष्म उद्यम

परितंत्र को मजबूत करने में इसके योगदान की पुष्टि करता है। इस योजना ने 13,554.42 करोड़ रुपये के स्वीकृत बजटीय आवंटन का पूर्ण उपयोग किया और 4,03,706 सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना को सुगम बनाया, जो 4,02,000 उद्यमों के लक्ष्य से कहीं अधिक है। यह उपलब्धि प्रभावी कार्यान्वयन और उद्यमिता-आधारित पहलों की निरंतर मांग को दर्शाती है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने कहा कि इस कार्यक्रम ने लगभग 36.33 लाख लोगों के लिए स्थायी रोजगार के अवसर भी पैदा किए, जिससे देशभर में आजीविका सृजन और जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिला। पीएमईजीपी योजना कृषि क्षेत्र से इतर नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को बैंक ऋण पर मार्जिन मनी (एमएम) सब्सिडी प्रदान करके सहायता करती है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पहली पीढ़ी के उद्यमियों के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित करना और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 56 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 100 अंकों से अधिक की बढ़त दिखी और निफ्टी 24,350 के पार चला गया। हालांकि, उसके बाद बिकवाली के दबाव से शेयर बाजार में नरमी नजर आने लगी। शुरुआती कारोबार में ट्रेंट और एसबीआई के शेयर शीर्ष लाभ में रहे।

फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 55.95 अंक यानी 0.072 फीसदी की उछाल के साथ 78,014.48 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का

निफ्टी 35.60 यानी 0.15 फीसदी की बढ़त के साथ 24,366.55 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। ऑटो और मेटल सेक्टक मार्केट को ऊपर लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर मार्केट पर दबाव बनाने की कोशिश में है। आज के कारोबार में आईटी, ऑटो और मीडिया के शेयरों में बढ़त देखने को मिल रही है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 941 अंक की तेजी के साथ 77,959 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 298 अंक की तेजी रही, जो 24,331 के स्तर पर बंद हुआ था।

एयरबस इंडिया के प्रमुख जुर्गन वेस्टरमीयर ने पीयूष गोयल से की मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को नई दिल्ली में एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर, जुर्गन वेस्टरमीयर से मुलाकात की। इस दौरान भारत में एयरोस्पेस विनिर्माण और एविएशन से जुड़ी क्षमताओं के विस्तार पर चर्चा की गई। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में बताया कि एयरबस के भारत और दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर जुर्गन वेस्टरमीयर के साथ एक सार्थक बैठक हुई। गोयल ने आगे लिखा, चर्चा का मुख्य केंद्र भारत से सोर्सिंग को मजबूत करना, एयरोस्पेस विनिर्माण को आगे बढ़ाना, सप्लाई चेन का विस्तार करना, रखरखाव, मरम्मत और संचालन (एमआरओ) क्षमताओं को बढ़ाना और भारत को एक वैश्विक एविएशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए कौशल विकास की पहलों को और गहरा करना था।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री की एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर, जुर्गन वेस्टरमीयर के साथ यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब भारत एयरोस्पेस क्षेत्र में अधिक स्थानीयकरण पर जोर दे रहा है और खुद को विमान तथा उसके कलपुर्जों के उत्पादन के लिए एक प्रमुख वैश्विक हब के रूप में उभारने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

कच्चा तेल फिर 101 डॉलर प्रति बैरल पार

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी स्थिरता देखने को मिल रही है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.62 डॉलर यानी 0.61 फीसदी की तेज के साथ 101.9 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.65 डॉलर यानी 0.68 फीसदी की उछाल के

साथ 95.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले दोनों बेंचमार्क में करीब 8 फीसदी की बड़ी गिरावट आई थी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका-ईरान वार्ता के सकारात्मक संकेतों और आपूर्ति में सुधार की उम्मीदों के कारण वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में नरमी आई है, जिसमें डब्ल्यूटीआई प्रमुख अमेरिकी बेंचमार्क बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के पावर और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी पर दो सप्ताह के लिए रोक लगाने की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में ये गिरावट आई है। ट्रंप ने कहा है कि बोले ईरान के साथ विवादित मुद्दों पर सहमति बनी है।

रेट्रो के सेट से जुड़े रोमांचक किस्से सांझा किए पूजा हेगडे ने

सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी फिल्म रेट्रो से जुड़ी कुछ अनसुनी और बेहद रोमांचक यादें प्रशंसकों के साथ साझा कीं। तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म रेट्रो ने रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर पूजा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें शूटिंग के दौरान टीम द्वारा सामना की गई चुनौतियों और उनके जज्बे की झलक मिलती है। अपनी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म बनाना किसी साहसिक और एडवेंचरस सफर से कम नहीं था। पूजा ने लिखा, फिल्म रेट्रो के रिलीज को एक साल पूरा। शूटिंग के दौरान हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के समय कई बार भयंकर तूफान आए, काम करते वक्त उनके पैर का लिगामेंट भी फट गया था, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं और काफी दर्द सहना पड़ा। इसके अतिरिक्त, सेट पर हर तरफ कीचड़ और फिसलन थी, जिससे काम करना और भी मुश्किल हो गया था, लेकिन इन सभी बाधाओं के बावजूद, उनकी टीम का जज्बा और हौसला बिल्कुल कम नहीं हुआ। अभिनेत्री ने एक और हैरान कर देने वाली घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक बार शूटिंग के दौरान उनकी नाव में अचानक आग लग गई थी। पूजा ने लिखा, हमारी नाव में आग लग गई और शूटिंग के वक्त एक ऐसा द्वीप था जहां चारों तरफ सांपों का डेरा था। ये सभी परिस्थितियां किसी भी शूटिंग टीम के लिए अत्यधिक तनावपूर्ण और मुश्किल हो सकती हैं। पूजा ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि तकनीकी रूप से ये सारी चीजें बहुत तनावपूर्ण और मुश्किल होनी चाहिए थीं, लेकिन असलियत में ऐसा नहीं था। उन्होंने लिखा, वहां बहुत शांति और अच्छा माहौल था। हम सब खूब हंसी-मजाक करते थे। पूजा ने इस बात पर जोर दिया कि सबसे बड़ी बात यह थी कि वे कुछ ऐसा बना रहे थे, जो पूरी तरह से दिल से और सिनेमा के प्रति प्यार के लिए था। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, जब आप सही लोगों के साथ काम करते हैं, तो सबसे कठिन दिन भी आसान लगने लगते हैं। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित तमिल रोमांटिक एक्शन फिल्म रेट्रो में पूजा के साथ सूर्या मुख्य भूमिकाओं में थे। लव-लाफ्टर-वॉर उपशीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण स्टोन बेंच क्रिएशंस और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया। इसमें सूर्या (परी) एक अपराधी पिता द्वारा पाले गए व्यक्ति की भूमिका में हैं, जो अपनी प्रेमिका, रुक्मिणी (पूजा हेगड़े) के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए हिंसक अतीत को छोड़ना चाहता है।

पुलकित ने अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर शिद्दत के साथ चुनौती को अपनाया

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपने पति पुलकित सम्राट के हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई ओरिजिनल सीरीज 'ग्लोरी' में शानदार प्रदर्शन को लेकर एक भावुक और दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया है। सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए कृति ने पुलकित के सफर को करीब से देखने का अनुभव साझा करते हुए उन पर गर्व जताया है। सोशल मीडिया स्टोरी पर कृति ने लिखा है कि 'ग्लोरी' से उनका जुड़ाव दो साल पहले शुरू हुआ था, जब यह प्रोजेक्ट पुलकित को मिला था। हालांकि शुरुआत में वह एक दर्शक की तरह सब कुछ देख रही थीं, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने पुलकित में बदलाव महसूस किया। उन्होंने लिखा- जैसे-जैसे वक़्त गुजरता गया, उन्होंने अपने जाने-पहचाने पुलकित को धीरे-धीरे एक नए पुलकित में बदलते हुए देखा, जिसने अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर पूरी शिद्दत के साथ इस चुनौती को अपनाया था। कृति ने अपने नोट में यह भी लिखा कि कोई भी प्रोजेक्ट सिर्फ स्क्रीन पर दिखने वाले समय तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसके पीछे लगातार मेहनत, अनुशासन और भावनात्मक मजबूती की जरूरत होती है। विशेष रूप से एक स्पोर्ट्सपर्सन के किरदार के लिए खून-पसीने और आंसुओं से ज़्यादा अनुशासन की जरूरत होती है और इसे निभाना वाकई बेहद मुश्किल होता है। पुलकित के इस सफर के दौरान उनके रूटीन और कड़ी मेहनत का जिक्र करते हुए कृति ने यह भी लिखा है कि यह उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने यह भी लिखा कि उन्हें पुलकित पर बेहद गर्व है और यह प्रोजेक्ट हमेशा उनके दिल के करीब रहेगा। आखिर में कृति ने दर्शकों से 'ग्लोरी' देखने की अपील की है और पूरी टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए इसे एक सच्चा विजेता बताया है।

46 की उम्र में उर्वशी ढोलकिया का ग्लैमरस अंदाज

उर्वशी ढोलकिया भले ही इन दिनों छोटे पर्दे से दूर हों, लेकिन सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का ध्यान खींचा, जहां वो बिकिनी में कॉन्फिडेंट होकर पोज देती नजर आईं. उर्वशी ढोलकिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं. जिसमें एक्ट्रेस बेहद ही ग्लैमरस लुक में दिखी. इन फोटोज में उर्वशी ब्लैक एंड रेड बिकिनी पहने नजर आ रही हैं. शॉर्ट हेयर्स सटल मेकअप में वो बला की हसीन दिख रही हैं. उर्वशी ने बिकिनी पहन अपने कातिलाना अंदाज से इंटरनेट पर कहर ढा दिया है, उनकी ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं. एक्ट्रेस की इन फोटोज को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं. कमेंट सेक्शन में हर कोई उनकी तारीफ करता दिखा. एक फैन ने लिखा, आप आज भी वैसी ही दिखती हैं. बता दें, एक्ट्रेस ने 6 साल की उम्र में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर शुरू किया था. 2001 में शो कसौटी जिंदगी की में विलेन कोमोलिका बसु का किरदार निभाकर वो घर-घर में मशहूर हो गईं. उर्वशी दो जुड़वा बेटों की मां हैं.

इरफान खान की फिल्म द लास्ट टेनेंट 25 साल बाद हुई रिलीज

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता इरफान खान के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। उनकी करीब 25 साल पुरानी एक फिल्म को आखिरकार रिलीज कर दिया गया है, जिसका शीर्ष द लास्ट टेनेंट है। इसमें अभिनेता के साथ विद्या बालन मुख्य किरदार में नजर आईं हैं, जिन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में इसमें काम किया था। फिल्म उस वक्त रिलीज नहीं हुई थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इसे रिलीज करते हुए इरफान को श्रद्धांजलि दी है। साल 2000 में बनकर तैयार हुई फिल्म द लास्ट टेनेंट को द साल्ट इंक के यूट्यूब पेज पर रिलीज किया गया है। इस फिल्म को सार्थक दासगुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि निर्माण उन्होंने नीना के साथ मिलकर किया है। इरफान की 6वीं पुण्यतिथि पर 29 अप्रैल को फिल्म रिलीज हुई, जिससे अभिनेता के फैंस भी इमोशनल हो गए हैं। इस फिल्म में अभिनेता ने एक युवा लड़के का किरदार निभाया है। 2 दशक से भी ज्यादा समय पहले बनकर तैयार होने के बावजूद, द लास्ट टेनेंट को उस वक्त रिलीज नहीं किया जा सका था, क्योंकि इसका मूल फुटेज खो गया था। कई साल तक इस परियोजना पर ताला लग गया। बाद में, निर्देशक को फिल्म का एक पुराना वीएचएस टेप मिला। इसके बाद उन्होंने फिल्म पर दोबारा से काम शुरू किया और आखिरकार इसे यूट्यूब पर रिलीज किया है। इसे अब तक 2 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

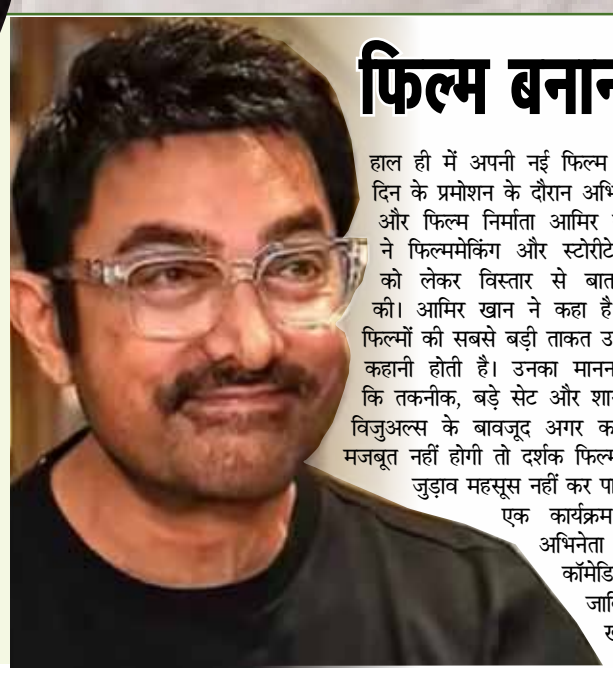

फिल्म बनाना कहानी सुनाने की आधुनिक कला है: आमिर

हाल ही में अपनी नई फिल्म एक दिन के प्रमोशन के दौरान अभिनेता और फिल्म निर्माता आमिर खान ने फिल्ममेकिंग और स्टोरीटेलिंग को लेकर विस्तार से बातचीत की। आमिर खान ने कहा है कि फिल्मों की सबसे बड़ी ताकत उनकी कहानी होती है। उनका मानना है कि तकनीक, बड़े सेट और शानदार विजुअल्स के बावजूद अगर कहानी मजबूत नहीं होगी तो दर्शक फिल्म से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाएंगे। एक कार्यक्रम में अभिनेता और कॉमेडियन जाकिर खान के साथ बातचीत करते हुए आमिर खान ने कहा कि फिल्म बनाना दरअसल कहानी सुनाने की एक आधुनिक कला है। उन्होंने कहा कि इंसान हजारों वर्षों से एक-दूसरे को कहानियां सुनाता आ रहा है। पुराने समय में जब किताबें नहीं थीं, तब लोग बैठकर किस्से और कहानियां साझा किया करते थे। आज भी वही परंपरा जारी है, लेकिन अब कहानी सुनाने की जगह उसे दिखाने का तरीका विकसित हो गया है। आमिर खान ने कहा कि पहले केवल शब्दों के जरिए कहानी कही जाती थी, जबकि अब फिल्मों में कैमरा, संगीत, ध्वनि और कलाकारों की मदद से भावनाओं को जीवंत रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माता आज किसी भी दृश्य को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं और कलाकार अपने अभिनय से किरदारों को वास्तविक बना देते हैं। हालांकि इन सभी चीजों के बावजूद कहानी सबसे महत्वपूर्ण तत्व बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अगर कहानी दिलचस्प और भावनात्मक रूप से मजबूत नहीं होगी तो दर्शक फिल्म से जुड़ नहीं पाएंगे। चाहे फिल्म कितने भी बड़े बजट में बनाई जाए या उसमें कितनी भी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाए, यदि कहानी दर्शकों को बांधकर नहीं रख सकेगी तो लोग जल्दी ही रुचि खो देंगे। आमिर खान के अनुसार दर्शक हमेशा ऐसी कहानी देखना चाहते हैं, जो उनके दिल को छू सके और लंबे समय तक याद रहे। आमिर खान की आगामी फिल्म 'एक दिन' इन दिनों काफी चर्चा में है। इस फिल्म में उनके बेटे जुनैद खान और अभिनेत्री साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में जुनैद खान एक शांत और शर्मीले युवक दिनेश उर्फ डीनो का किरदार निभा रहे हैं, जो अपने ऑफिस में काम करने वाली खुशमिजाज लड़की मीरा को पसंद करने लगता है। मीरा का किरदार साई पल्लवी निभा रही हैं। हालांकि दिनेश अपने दिल की बात उससे कह नहीं पाता। फिल्म की कहानी में बड़ा मोड़ तब आता है, जब जापान में मीरा एक सड़क हादसे का शिकार हो जाती है। हादसे के बाद उसकी याददाश्त प्रभावित हो जाती है और उसे केवल वही व्यक्ति याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी। वह व्यक्ति दिनेश होता है।

गलत संदर्भ में वायरल हो गया जान्हवी का इंटरव्यू

हाल ही में सोशल मीडिया पर अभिनेत्री जान्हवी कपूर के एक पॉडकास्ट इंटरव्यू के कुछ हिस्सों को गलत संदर्भ में वायरल किया गया। इसके बाद इंटरनेट पर गलतफहमी फैल गई कि जान्हवी कपूर नशे की लत या शराब की समस्या से जुड़े अपने निजी अनुभव साझा कर रही थीं। हालांकि अब इस पूरे मामले पर मानसिक स्वास्थ्य संगठन अमाहा और 'ऑफ द रॉक्स' की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की गई है। दरअसल, जान्हवी कपूर हाल ही में उद्यमी और पॉडकास्ट होस्ट राज शमानी के शो में नजर आई थीं। बातचीत के दौरान मानसिक स्वास्थ्य, नशे की समस्या और सहयोगी भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा हुई थी। लेकिन सोशल मीडिया पर इंटरव्यू के कुछ छोटे हिस्सों को अलग तरीके से पेश किया गया, जिसके कारण कई लोगों ने यह मान लिया कि अभिनेत्री खुद किसी प्रकार की एडिक्शन समस्या का सामना कर चुकी हैं। बढ़ती गलतफहमी के बाद अमाहा और 'ऑफ द रॉक्स' ने संयुक्त बयान जारी करते हुए साफ किया कि जान्हवी कपूर ने इस चर्चा में एक केयरगिवर और सहयोगी के रूप में हिस्सा लिया था। बयान में कहा गया कि वह उन लोगों के अनुभवों को समझने और उनके समर्थन की बात कर रही थीं, जो नशे की समस्या से जूझ रहे हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि जान्हवी कपूर ने कहीं भी यह दावा नहीं किया कि वह खुद शराब या किसी अन्य एडिक्शन की शिकार रही हैं। संगठन ने यह भी कहा कि बातचीत को गलत संदर्भ में प्रस्तुत करने से न केवल इंटरव्यू के मूल उद्देश्य को नुकसान पहुंचा है, बल्कि उन लोगों के अनुभवों का भी अनादर हुआ है, जो वास्तव में नशे की समस्या से जूझ रहे हैं या अपने परिवार और दोस्तों के जरिए ऐसे हालात का सामना कर रहे हैं। अमाहा और 'ऑफ द रॉक्स' के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य और एडिक्शन जैसे संवेदनशील विषयों को सनसनीखेज तरीके से पेश करना बेहद गैर-जिम्मेदाराना है।

बयान में मीडिया संस्थानों, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया यूजर्स से अपील की गई कि वे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ जानकारी साझा करें। संगठन ने कहा कि केवल क्लिक और व्यूज हासिल करने के लिए भ्रामक नैरेटिव तैयार करना उन लोगों के प्रति असम्मानजनक है, जो गंभीर मानसिक और भावनात्मक चुनौतियों से गुजर रहे हैं। अमाहा और 'ऑफ द रॉक्स' ने अंत में दोहराया कि उनका उद्देश्य एडिक्शन, रिकवरी और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर ईमानदार, सटीक और संवेदनशील संवाद को बढ़ावा देना है।

क्या व्यायाम करते समय पानी पीना चाहिए? जानिए सच्चाई

व्यायाम करते समय पानी पीने की आदत को लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां हैं। कुछ लोग मानते हैं कि व्यायाम के दौरान पानी पीने से खाने-पचाने की प्रक्रिया पर बुरा असर पड़ता है, जबकि कुछ इसे जरूरी मानते हैं। इस लेख में हम इन धारणाओं की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि व्यायाम करते समय पानी पीना चाहिए या नहीं, साथ ही इसके पीछे के कारणों पर भी चर्चा करेंगे। व्यायाम करते समय पानी पीना बहुत जरूरी है। जब हम व्यायाम करते हैं, तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ जाता है और हम पसीना बहाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। पानी पीने से शरीर को ठंडा रखने में मदद मिलती है और पसीने के कारण खोया हुआ पानी वापस मिलता है। इसके अलावा, यह शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। कुछ लोग मानते हैं कि व्यायाम करते समय पानी पीने से खाने-पचाने की प्रक्रिया पर बुरा असर पड़ता है। हालांकि, यह सही नहीं है। अगर आप हल्का या मध्यम व्यायाम कर रहे हैं, तो थोड़ी मात्रा में पानी पीना सुरक्षित होता है। इससे खाने-पचाने की प्रक्रिया पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। बल्कि यह आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है। प्यास लगने पर ही पानी पीना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप प्यास लगने से पहले ही पानी पी लें। व्यायाम करते समय शरीर को जब पानी की जरूरत होती है, तो उसे संकेत मिलते रहते हैं। अगर आपको प्यास लग रही है, तो थोड़ा-थोड़ा पानी पी लें। इससे आपका शरीर हाइड्रेटेड रहेगा और आप बेहतर तरीके से व्यायाम कर सकेंगे। व्यायाम करते समय बहुत ज्यादा पानी पीना भी नुकसानदायक हो सकता है। इससे शरीर में जरूरी खनिजों का संतुलन बिगड़ सकता है, जो सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। इसलिए व्यायाम करते समय संतुलित मात्रा में ही पानी पिएं। सामान्यतः व्यायाम करते समय हल्का या मध्यम मात्रा में पानी पीना पर्याप्त होता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और आप बेहतर तरीके से व्यायाम कर सकते हैं। हर व्यक्ति की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए अपनी शारीरिक स्थिति और जरूरतों के अनुसार ही पानी का सेवन करें। अगर आप अधिक पसीना बहाते हैं या अधिक मेहनती व्यायाम करते हैं, तो आपको अधिक मात्रा में पानी की जरूरत हो सकती है। इसके अलावा गर्म मौसम में भी अधिक पानी पीने की जरूरत होती है। इस प्रकार व्यायाम करते समय पानी पीने को लेकर फैली गलत धारणाओं को समझना जरूरी है, ताकि हम सही निर्णय ले सकें।

PM Modi gifts Banarasi silk, Buddha sculpture, 'Namoh 108' lotus to Vietnam President

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi presented a selection of traditional Indian gifts, including Banarasi silk fabric, a brass Buddha sculpture from Moradabad and the specially developed 'Namoh 108' lotus, to Vietnam President To Lam during his state visit, from May 5-7. The gifts reflected India's cultural heritage, craftsmanship and spiritual traditions, while also highlighting links between Indian and Vietnamese aesthetics and philosophies. Among the gifts was the Namoh 108, a unique lotus variety developed by the National Botanical Research Institute in Lucknow.

The flower has been specially engineered to possess exactly 108 petals-a number considered sacred across Hinduism, Buddhism and Jainism. The number is associated with the beads on meditation malas, sacred sites and various spiritual traditions in Indian culture. The name 'Namoh', derived from Sanskrit, signifies salutation or obeisance.

Modi also presented a brass sculpture depicting Buddha seated in a meditative posture beneath a Bodhi tree. Crafted by artisans from Moradabad in Uttar Pradesh, the artwork features intricate detailing and traditional brasswork associated with the city's long-standing craft heritage. The Buddha is shown in the Abhaya Mudra, with the right hand raised, symbolising fearlessness, reassurance and protection, while the left hand rests gently on the lap holding a bowl, representing compassion and spiritual nourishment.

DMK-AIADMK alliance on cards? TVK's Vijay scrambles for numbers: Tamil Nadu CM suspense intensifies

New Delhi, Agency: A fractured mandate in Tamil Nadu has triggered political manoeuvring, with parties exploring unlikely alliances as the race to form the next government appears to remain wide open. This comes as actor-turned-politician Vijay's bid to become chief minister hit a roadblock, as governor Rajendra Vishwanath Arlekar was reportedly unconvinced that the Tamizhaga Vettri Kazhagam had the numbers required to form a stable government. After fighting the assembly elections bitterly against each other, the DMK and the AIADMK are now reportedly exploring ways to prevent the TVK from forming the government.

While no formal decision has been taken, discussions within both camps suggest the possibility is being seriously examined. Reports of deliberations between the two Dravidian giants surfaced hours after the Congress announced support to the TVK. Neither the DMK nor the AIADMK officially commented on the reports.

The DMK won 59 seats while the AIADMK secured 47. Even together, the two parties would still require support from smaller parties to cross the majority mark of 118 in the 234-member Tamil Nadu assembly. Meanwhile, the AIADMK shifted some of its newly elected MLAs to neighbouring Puducherry. Party spokesperson Kovai Sathyan confirmed that legislators had been moved there, but did not disclose the number of MLAs or the reason behind the decision.

According to PTI sources, the AIADMK was initially prepared to extend unconditional support to the Vijay-led TVK to help it form the government, and discussions were underway between the two sides.

However, after what sources described as prolonged silence from the TVK camp since Wednesday afternoon, the AIADMK reportedly withdrew the offer.

Justice Yashwant Varma continues as HC judge despite resignation

New Delhi, Agency: President Droupadi Murmu does not appear to have accepted the resignation of Justice Yashwant Varma who, faced with a removal motion after discovery of wads of unaccounted money in his official residence in Delhi, had put in papers nearly amonth ago.

His name figures at serial number four of the list of judges in HC official portal and is preceded by Justices M C Tripathi, Arindam Sinha and Ranjan Roy. This is because apparently President Droupadi Murmu has not yet accepted his resignation from the post of HC judge.

In his resignation letter dated Apr 9 addressed to the President, Justice Varma had said, "While I do not propose to burden your august office with the reasons which have constrained me to submit this missive, it is with deep anguish that I hereby tender my resignation from the office of the judge of Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad, with immediate effect."

To prepare for nuclear exigencies, DRDO opens CBRN centre in Delhi

New Delhi, Agency: To enhance preparedness for radiological and nuclear exigencies, Defence Research & Development Organisation (DRDO) on Wednesday opened a chemical, biological, radiological and nuclear (CBRN) field training and demonstration centre at Burari plains in Delhi. Inaugurated by DRDO chairman Samir V Kamat, the centre will be a unique DRDO-CBRN-centre of excellence comprising state-of-the-art facilities.

PM Modi, Jaishankar and other ministers change profile pictures to mark 1 year of Operation Sindoor

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi on Thursday updated his official X profile picture to commemorate the first anniversary of "Operation Sindoor." In a post on X, PM Modi also said, "A year ago, our armed forces displayed unparalleled courage, precision and resolve during #OperationSindoor.

They gave a fitting response to those who dared to attack innocent Indians at Pahalgam. The entire nation salutes our forces for their valour." "Today, a year later, we remain as steadfast as ever in our resolve to defeat terrorism and destroy its enabling ecosystem," he added.

Several senior leaders, including external affairs minister S Jaishankar, Union home minister Amit Shah, MEA spokesperson Randhir Jaiswal, foreign secretary Vikram Misri, minister of parliamentary affairs Kiren Rijiju and BJP IT cell chief Amit Malviya also updated their profile pictures. The updated profile pictures prominently referenced "Operation Sindoor," signalling remembrance of the operation and its significance for India. Meanwhile, defence minister Rajnath Singh paid tribute to the valour and sacrifices of the Indian armed forces.

Cybercrime cases up 18%, fraud emerges biggest motive

New Delhi, Agency: Cases of cybercrime jumped by nearly 18% from 86,420 in 2023 to 1,01,928 in 2024, with fraud emerging as the biggest motive, the NCRB report has revealed.

According to the report, 73,987 cases of fraud - including financial frauds, computer-related offences and cheating - were registered across the country during the year, followed by cases related to sexual exploitation (3,190), extortion (2,488), causing disrepute (2,231) and personal revenge (1,850). Over 15,300 cases were marked under the 'others' category. Women were the victims in over 18,600 cases and in 1,753 cases the victims were minors.

Telangana saw the highest number of such cases (27,230), marking a spike of nearly 50% over previous year, when 18,236 cyber offences were recorded in the state. More than 70 cases per one lakh population were recorded in Telangana.

Bhagwant Mann blames BJP for blasts, party threatens legal action to oust CM

CHANDIGARH/NEW DELHI, Agency: A political battle has erupted in Punjab over back-to-back blasts in Jalandhar and Amritsar, with BJP and SAD criticising state govt over law and order, and CM Bhagwant Mann accusing BJP of trying to create unrest "on the pattern of Bengal" to win 2027 polls.

BJP turned to DGP Gaurav Yadav's suggestion of Pakistani spy agency ISI's involvement to cause disruptions on Operation Sindoor anniversary to assert the Aam Aadmi Party neta was making divisive statements .

"It is such an insensitive statement," BJP spokesperson Sambit Patra said, highlighting the contradiction between Mann's allegation and Yadav's statement. BJP state chief Sunil Jakhar warned his party would pursue every legal recourse to get "an irresponsible Mann" removed. As Punjab woke up to news of the blasts, Mann said, "This is BJP's style of working ... to contest elections, they create riots, carry out small blasts, and divide peo- ple..." SAD chief Sukhbir Singh Badal called for Mann to resign, pointing there had been three blasts in 10 days

'Pakistan didn't get isolated as it had been after Mumbai attack'

Congress' jibe at government on one year of Operation Sindoor"

New Delhi, Agency: Congress on Thursday targeted the government over the handling and aftermath of Operation Sindoor, claiming that despite India's diplomatic outreach after the military action, Pakistan was not isolated globally as it had been after the 2008 Mumbai terror attack.

Taking to X, Congress general secretary in-charge communications Jairam Ramesh also launched a sharp critique of the government's handling of the military operation and its diplomatic aftermath.

"As we celebrate the first anniversary of the launch of Operation Sindoor and salute the achievements of our armed forces, it would be useful to recall the following: The first announcement of the cease fire that halted Operation Sindoor unexpectedly was made at 5:37 PM IST on May 10 2025 by the US Secretary of State Marco Rubio who claimed that it was intervention by President Trump that had made this possible," Ramesh said on X. "Subsequently, the US President has repeated this claim over a hundred times in different countries without ever having been refuted even once by his good friend Prime Minister Narendra Modi," he added.

Ramesh also referred to statements made by senior military officials after the operation. He said Chief of Defence Staff General Anil Chauhan, speaking in Singapore on May 30, 2025, had stated that India suffered initial losses because of tactical errors but later carried out precision strikes deep inside Pakistan after reviewing and correcting those mistakes. He further recalled that on June 10, 2025, at a seminar in Jakarta, the Defence Attache at the Indian embassy in Indonesia acknowledged that India had lost aircraft on May 7, 2025 due to constraints imposed by the political leadership. Referring to another statement, Ramesh said Deputy Chief of Army Staff Lt General Rahul Singh had, on July 4, 2025, highlighted China's deep involvement in Pakistan's response to Operation Sindoor through equipment, ammunition, satellite imagery and real-time targeting support.